राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 22 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–271 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर ने छठे एडिशन के शॉर्टलिस्ट की घोषणा

जयपुर। भारत में प्रतिष्ठित फिक्शन पुरस्कारों में से एक जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर के छठे संस्करण की शॉर्टलिस्ट की यहां घोषणा की गई। अठारह नवंबर को होने वाले पुरस्कार समारोह से पहले शुक्रवार शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में लेखकों, अनुवादकों और शहर के पुस्तक प्रेमियों के समुदाय ने हिस्सा लिया। इस दौरान निर्णायक मंडल के सदस्य श्रीनाथ पेरूर, सोमक घोषाल और कावेरी नांबिसन ने पांच किताबों की शॉर्टलिस्ट की घोषणा की, जिनमें बंगाली, हिंदी और तमिल भाषाओं के तीन अनुवाद समेत पांच किताबें हैं।

जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर 25 लाख रुपये इनाम वाला अवॉर्ड है और यह हर साल किसी प्रतिष्ठित भारतीय लेखक को उनकी काल्पनिक कृतियों के लिए दिया जाता है। जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर 2023 की शॉर्टलिस्ट की घोषणा के बाद ऐक्टर दिव्या सेठ शाह के साथ ही कवयित्री और शोधार्थी वामिक सैफी ने शॉर्टलिस्टेड किताबों को पढ़ा। नाटकीय पाठन के दरमियां सारंगी पर दायम अली और सितार पर पंडित हरिहर शरण भट्ट की संगीतमय प्रस्तुति भी चलती रही।

शार्टलिस्ट में तेजस्विनी आप्टे-रहम द्वारा लिखी गई द सीक्रेट ऑफ मोर (एलेफ बुक कंपनी, 2022), मनोरंजन ब्यापारी द्वारा लिखी और वी. रामास्वामी द्वारा बंगाली से अनुवादित की गई द नेमेसिस (वेस्टलैंड बुक्स, 2023), पेरुमल मुरुगन द्वारा लिखी गई और जननी कन्नन द्वारा तमिल भाषा से अनुवादित फायर बर्ड, (पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया, 2023), विक्रमजीत राम द्वारा लिखी गई मंसूर (पैन मैकमिलन इंडिया, 2022) एवं मनोज रूपडा द्वारा लिखी गई और हंसदा सोवेंद्र शेखर द्वारा हिंदी से अनुवादित आई नेम्ड माय सिस्टर साइलेंस (वेस्टलैंड बुक्स, 2023) शामिल है।

जेसीबी प्राइस फॉर लिटरेचर 2023 के विजेताओं की घोषणा 18 नवंबर को की जाएगी और उन्हें 25 लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। विजेता के लिए प्रविष्टि अगर अनुवादित है, तो अनुवादक को 10 लाख रुपये का अतिरिक्त कैश प्राइस दिया जाएगा। इसके साथ ही शॉर्टलिस्ट में शामिल पांचों लेखकों को एक-एक लाख रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा।

'सीमाओं पर या आंतरिक सुरक्षा, पुलिस के बिना संभव नहीं', अमित शाह बोले- इनकी ड्यूटी सबसे चुनौतीपूर्ण

● अमित शाह ने कहा कि पुलिस आम लोगों की सुरक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहती है। हमारे देश की पुलिस ने अपने आप को हमेशा साबित किया है।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि किसी भी देश में सीमाओं पर और आंतरिक सुरक्षा बिना चौकन्नी पुलिस के बिना संभव नहीं है। अमित शाह ने नेशनल पुलिस मेमोरियल में दिए अपने संबोधन में ये बात कही। बता दें कि आज पुलिस स्मृति दिवस है और इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली स्थित नेशनल पुलिस मेमोरियल पहुंचे।

पुलिस की ड्यूटी सबसे चुनौतीपूर्ण

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि मैंने देखा है कि पुलिस की ड्यूटी, देश में सेवारत अन्य लोगों की तुलना में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। किसी भी मौसम, त्योहार में पुलिस के जवान हमेशा ड्यूटी पर तैनात रहते हैं ताकि कानून व्यवस्था को कायम रखा जा सके। चाहे वो आतंकवाद हो, अपराध हो या फिर बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना, पुलिस आम लोगों की सुरक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहती है। हमारे देश की पुलिस ने अपने आप को हमेशा साबित किया है।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि मैंने देखा है कि पुलिस की ड्यूटी, देश में सेवारत अन्य लोगों की तुलना में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। किसी भी मौसम, त्योहार में पुलिस के जवान हमेशा ड्यूटी पर तैनात रहते हैं ताकि कानून व्यवस्था को कायम रखा जा सके। चाहे वो आतंकवाद हो, अपराध हो या फिर बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना, पुलिस आम लोगों की सुरक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहती है। हमारे देश की पुलिस ने अपने आप को हमेशा साबित किया है।

विभिन्न राज्यों में भी मुख्यमंत्रियों ने पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की। इनमें त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल आदि शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि मुश्किल हालात में भी पुलिस अपनी ड्यूटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और राज्य में कानून व्यवस्था को कायम रखती है। राज्य में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और महिला सुरक्षा के लिए भी पुलिस की भूमिका अहम है। बीते छह सालों में कुंभ मेले का आयोजन हो या फिर 2019 के लोकसभा चुनाव का आयोजन या विधानसभा चुनाव, पुलिस की वजह से ये सभी आयोजन शांतिपूर्ण हुए।

बता दें कि हर साल 21 अक्तूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1959 में अपनी सीमाओं की रक्षा करते हुए चीन के साथ हुई लड़ाई में जान गंवाने वाले 10 पुलिसकर्मियों के बलिदान की याद में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन पुलिस कर्मियों के समर्पण और कड़ी मेहनत को भी दर्शाता है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, पांच की मौत और तीन गंभीर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना इलाके में यमुना एक्सप्रेसवे पर ग्रेटर नोएडा से आगरा की तरफ जाते समय शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि, हादसे का शिकार होने वाला परिवार दिल्ली में रहता है। पीड़ित लोग झारखंड के रहने वाले हैं। कार सवार शनिवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते दिल्ली से झारखंड के लिए इको कार से जा रहे थे। जीरो पॉइंट से 25 किलोमीटर पर अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल सभी आठ लोगों को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पांच लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। तीन लोगों को हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। मृतकों में उपेंद्र बैठा पुत्र रामप्रीत बैठा (38) निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, बिजेंद्र बैठा पुत्र रामप्रीत बैठा (36) निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, कांति देवी पत्नी बिजेंद्र बैठा (30), निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, ज्योती पुत्री बिजेंद्र बैठा (12), निवासी जेजे कॉलोनी फेस- 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, सुरेश पुत्र श्रीकांत कामत बैठा (45)

निवासी जेजे कॉलोनी B2 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली शामिल हैं। ये सभी मूल रूप से झारखंड के पलामू के थाना हुसैनाबाद के जपला कचरा गांव के रहने वाले थे। घायलों में सूरज पुत्र उपेंद्र बैठा (16) निवासी जेजे कॉलोनी फेस 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, आयुष पुत्र बिजेंद्र बैठा (08) निवासी जेजे कॉलोनी फेस 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली, आर्यन पुत्र बिजेंद्र बैठा (10) निवासी जेजे कॉलोनी फेस 3 मदनपुर खादर थाना कालिंदी कुंज साउथ दिल्ली शामिल हैं।

अलवर के सियासी समीकरण, किसमें कितन है दम?

● तिजारा में फंस गए बाबा बालकनाथ

जयपुर। राजस्थान का प्रवेश द्वार अलवर में इस बार सियासी समीकरण बदले हुए है। कांग्रेस को इस बार कड़ी टक्कर मिल रही है। गहलोत को दो मंत्रियों टीकाराम जूली और शकुंतला रावत को टिकट मिलने के आसार है। लेकिन उनकी राह आसान नहीं है। इसी प्रकार तिजारा से सांसद बालकनाथ भी फंस गए है। बीजेपी ने सांसद को तिजारा से उम्मीदवार बनाया है। बालकनाथ को मामन यादव से चुनौती मिल रही है। मामन यादव बीजेपी का टिकट मांग रहे थे। पूर्वी राजस्थान में अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली आदि जिले शामिल हैं। इन जिलों के विधानसभा चुनाव परिणाम राजनीतिक दलों के लिए खास मायने रखते हैं। पूर्वी राजस्थान में भी अलवर जिला राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, कारण है कि यहां 11 विधानसभा सीटें हैं। अलवर जिले के राजनीतिक समीकरण किसी भी दल के लिए प्रदेश की सत्ता तक पहुंचने में अहम होते हैं। भाजपा, कांग्रेस व तीसरे मोर्चे के नेताओं की

नजर भी अलवर की राजनीति पर टिकी रहती है।

2018 में कांग्रेस व 2013 में भाजपा रही भारी

उल्लेखनी है कि विधानसभा चुनाव 2018 के विधानसभा चुनाव में अलवर जिले में भाजपा को मात्र दो ही सीटें मिली थी। कांग्रेस का यहां दबदबा रहा। कांग्रेस को इस चुनाव में यहां 5 सीटें मिली, बाद में दो बसपा से जीते विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए तथा दो निर्दलीय विधायकों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। यानी अलवर जिले से कांग्रेस को 9 विधायकों का सहयोग मिला। इसी प्रकार 2013 के विधानसभा चुनाव में अलवर जिले में कांग्रेस को मात्र एक सीट पर संतोष करना पड़ा, वहीं भाजपा के खाते में 9 सीटें गई। वहीं एक सीट राजपा ने जीती। यानी भाजपा के सरकार बनाने में अलवर से 9 विधायकों का योगदान रहा। यही कारण है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भी प्रमुख दलों की नजर अलवर के चुनाव नतीजों पर लगी है।

नोएडा में 17 लाख वाहन चालकों को बड़ी राहत, 3 साल में हुए सभी चालान होंगे माफ

नोएडा। नोएडा परिवहन विभाग के बाद अब ट्रैफिक पुलिस की तरफ से किए गए 17 लाख से ज्यादा चालान भी माफ किए जाएंगे। प्रदेश सरकार के निर्देश के बाद वाहनों के चालान माफ करने की कार्रवाई की जाएगी। अभी तक यह आदेश सहायक संभागीय परिवहन विभाग की तरफ से किए गए चालान पर लागू हो रहा था, लेकिन अब ट्रैफिक पुलिस पर भी होगा। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 1 अप्रैल 2018 से 31 दिसंबर 2021 तक हुए कुल चालान में से 17 लाख 89 हजार 463 वाहनों के चालान माफ करते चालान राशि जीरो कर दी जाएगी। ऐसे में जिन लोगों के वाहनों का इस अवधि में चालान हो रखा है, वे जमा न करें। उनके ई-चालान की वेबसाइट पर जीरो चालान राशि का रिकॉर्ड अपडेट हो जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में ई-चालान की प्रक्रिया एक अप्रैल 2018 से हुई है। इससे पहले मैनुअली पर्ची काटकर चालान किए जाते थे। ऐसे में वर्ष 2018 से 2021 के अंत तक 17 लाख 89 हजार 463 वाहनों के चालान निरस्त किए जाएंगे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चालान का पूरा रिकॉर्ड एनआईसी की तरफ से तैयार वेबसाइट पर अपडेट हो जाता है। वह चाहे तो संबंधित अवधि का एक साथ चालान का रिकॉर्ड माफ कर सकती है, लेकिन उसने प्रदेश सरकार और जिलों के ऊपर छोड़ दिया है। ऐसे में जिले स्तर से पुलिस ने चालान राशि जीरो करने का काम शुरू कर दिया है। कुछ समय बाद ये डेटा अपडेट हो जाएंगे। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव का कहना है कि संबंधित अवधि में जिन वाहनों के चालान लंबित पड़े हैं, उनके मालिक चालान राशि जमा न करें।

सात लाख चालान जमा हो गए, उनका क्या

अप्रैल 2018 से दिसंबर 2021 तक करीब 25 लाख वाहनों के ई-चालान किए गए थे। चालान होने पर करीब सात लाख वाहन चालक अपने चालान की राशि जमा कर चुके हैं। ऐसे में करीब सात लाख लोगों को नियम के तहत जल्द चालान राशि जमा करना जेब पर भारी पड़ गया। अगर ये लोग इंतजार कर लेते तो उनको भी आर्थिक रूप से फायदा मिल जाता।

गगनयान के लिए पहली टेस्टिंग उड़ान टली, इसरो चीफ ने बताई होल्ड की वजह

बेंगलुरु। चंद्रयान-3 और सूर्ययान की सफलता के बाद इसरो ने अंतरिक्ष की तरफ बड़ी छलांग के लिए कदम रख दिया है। गगनयान मिशन के लिए आज पहली टेस्टिंग उड़ान थी, लेकिन, तकनीकी कारणों से ऐसा नहीं हो पाया। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बताया कि टेस्टिंग के लिए तैयारी पूरी थी लेकिन, ऐन वक्त पर इसे टाला गया है। जल्द ही मामले में अपडेट दिया जाएगा। बता दें कि इसरो ने श्रीहरिकोटा से सुबह 8:30 बजे व्हीकल टेस्ट फ्लाइट (टीवी-डी1) की लॉन्चिंग का समय निर्धारित किया था।

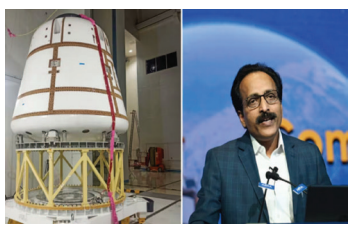

पहले टेस्टिंग के लिए उड़ान का समय 8 बजे निर्धारित था लेकिन, ISRO ने इसे रिशेड्यूल किया। हालांकि यह भी बताया गया था कि इसरो ने टेस्टिंग की उड़ान के लिए समय सुबह सात बजे से 9 बजे के बीच कभी भी

निर्धारित किया था। 2025 में गगनयान मिशन की सफलता के लिए अगले साल तक इसरो की तरफ से कई परीक्षण किए जाने हैं। इन परीक्षणों की दिशा में यह पहली टेस्टिंग उड़ान थी। साल 2025 की शुरुआत में गगनयान मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के लिए 21 अक्टूबर का दिन बेहद अहम था। पहले परीक्षण उड़ान के लिए इसरो ने अपनी तैयारी भी पूरी कर ली थी। शनिवार 21 अक्टूबर को श्रीहरिकोटा परीक्षण रेंज से गगनयान मिशन के लिए पहली टेस्टिंग उड़ान भरने ही वाली थी, काउंटडाउन भी शुरू हो चुका था। जब लॉन्चिंग के लिए महज 5 सेकंड रह गए थे। इसरो ने परीक्षण उड़ान को आज के लिए टाल दिया।

क्या बोले इसरो चीफ

इसरो ने गगनयान मिशन के पहले परीक्षण उड़ान को टालने के पीछे की वजह का खुलासा किया। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने एक बयान में कहा कि गगनयान मिशन के तहत इसरो 21 अक्टूबर को सुबह व्हीकल टेस्ट फ्लाइट का पहला परीक्षण करने वाला था लेकिन, प्रक्षेपण से ठीक पांच सेकंड पहले तकनीकी खामी सामने आई। इंजन स्टार्ट नहीं हुआ। हमें पता लगाना होगा कि क्या गलत हुआ; वाहन सुरक्षित है।

मिशन के लिए टेस्टिंग उड़ान क्यों है जरूरी-इसरो गगनयान मिशन के तहत मानव सहित यान अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। इसमें अंतरिक्ष यात्री तीन दिन मिशन में रहकर वापस धरती की तरफ लौटेंगे। मिशन को सफल बनाने और यात्रियों को सही-सलामत लाने के लिए इसरो की तरफ से ये परीक्षण किए जा रहे हैं।

दुनिया का चौथा देश बनेगा भारत

गगनयान परियोजना को 90 बिलियन रुपये (. 1 बिलियन; 897 मिलियन) की लागत से विकसित किया गया है। इसका लक्ष्य अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किमी (248 मील) की कक्षा में भेजना और तीन दिन बाद वापस लाना है। अगर यह सफल हुआ तो रूस (तत्कालीन सोवियत संघ), अमेरिका और चीन के बाद भारत अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा।

खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हुए मुंबईकर

चक्रवाती तूफान 'तेज' की बढ़ती रफ्तार

नई दिल्ली। अरब सागर के ऊपर दबाव का ऐसा क्षेत्र विकसित हुआ है जिसके आज चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने यह जानकारी दी। इस साल अरब सागर में यह दूसरा चक्रवाती तूफान होगा। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के लिए अपनाए गए फॉर्मूले के अनुसार इसे तेज कहा जाएगा। आईएमडी के अनुसार, चक्रवाती तूफान के रविवार को गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने और ओमान के दक्षिणी तटों व पास के यमन की ओर बढ़ने का अनुमान है। हालाकि, मौसम विज्ञानियों ने चेताया कि कभी-कभी तूफान अनुमान पथ से भटक सकते हैं, जैसा कि चक्रवात बिपरजॉय के मामले में देखा गया था। बिपरजॉय जून में अरब सागर में बना था और शुरू में उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के बाद गुजरात में मांडवी और पाकिस्तान में कराची की तरफ गुजरा था। मौसम का पूर्वानुमान जताने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट वेदर ने कहा कि अधिकांश मॉडल संकेत देते हैं कि तूफान यमन-ओमान तट की ओर बढ़ रहा है। हालाकि, वैश्विक पूर्वानुमान तंत्र मॉडल इसके अरब सागर के गहरे मध्य भागों में स्थित होने का सुझाव देते हैं, जिससे यह प्रणाली पाकिस्तान और गुजरात तट की ओर जा सकती है। भारत को लेकर IMD ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र 22 अक्टूबर के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक गहरे दबाव में बदल सकता है। चक्रवाती तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 62-88 किमी प्रति घंटे की होती है, जबकि हवा की गति 89-117 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने पर इसे गंभीर चक्रवाती तूफान कहा जाता है।

चक्रवात तेज गुजरात में नहीं डालेगा कोई असर- IMD अरब सागर से उठ रहे इस चक्रवाती तूफान का गुजरात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आईएमडी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि दक्षिण पूर्व और दक्षिण पश्चिम अरब सागर में निम्नदबाव का क्षेत्र बना है और 21 अक्टूबर सुबह तक उसके चक्रवाती तूफान का रूप लेने की आशंका है। अहमदाबाद स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, %22 अक्टूबर की शाम तक इसके भयंकर चक्रवाती तूफान का शक्ल लेने और दक्षिणी ओमान व यमन तट की ओर बढ़ने की आशंका है। चक्रवात पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा, ऐसे में उसका गुजरात (जो पश्चिम में है) पर कोई असर नहीं पड़ सकता है। अगले 7 दिनों तक गुजरात में मौसम शुष्क रहेगा।

मुंबई में हवा की गुणवत्ता खराब, चक्रवात का कितना असर?

मुंबई में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को शहर में कई स्थानों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 (खराब श्रेणी) से ऊपर था। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि चक्रवात तेज पश्चिमी तट के करीब नहीं है, ऐसे में न तो मुंबई और न ही देश के किसी अन्य हिस्से में इस चक्रवात के कारण बारिश होगी। अगर कहीं पर बारिश होती भी है तो AQI का स्तर नीचे जा सकता है। मगर, इस पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला है। इस बीच, बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने चेतावनी दी कि वह उन निर्माण कार्यों को बंद करा देगी जो धूल और प्रदूषण नियंत्रण के उपाय नहीं कर रहे हैं,

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कनाडा से तनाव

भारत के दोटूक आदेश के बाद अपने राजनयिकों को वापस बुलाने के सिवा कनाडा के पास और कोई रास्ता नहीं था। हालांकि, उसने भारत के इस रुख को 'वियना कन्वेंशन' के विरुद्ध बताया है, मगर जस्टिन ट्रूडो सरकार यह शिकायत करते समय भूल गई कि भारत के ऊपर खुद उसके प्रधानमंत्री ने बगैर किसी पुख्ता सबूत के न सिर्फ गंभीर आरोप लगाए, बल्कि उनको दोहराया भी और दूसरे देशों के साथ आपसी वार्ता में भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की। क्या ओटावा राजनय के इस दस्तूर से भी गाफिल है कि परस्पर देशों में राजनयिक उपस्थिति समान रहती है? इसलिए नई दिल्ली ने इस कायदे के पालन की मांग करके कुछ भी अनुचित नहीं किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम से कनाडा को तो सख्त संदेश मिला ही है, प्रकारांतर से इसमें अन्य देशों के लिए भी साफ पैगाम है कि नई दिल्ली आतंकवाद के मुद्दे पर किसी किस्म की कोताही को स्वीकार नहीं करने वाली। भारत में मौजूद या भ्रमण कर रहे अपने नागरिकों के लिए कनाडा ने जो एडवाइजरी जारी की है, वह खिसियानी बिल्ली के खंबा नोचने से ज्यादा महत्व नहीं रखती, क्योंकि भारत एक मेहमाननवाज तहजीब वाला देश है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संदर्भ में प्रधानमंत्री ट्रूडो की अपरिपक्व बयानबाजी से दोनों देशों के रिश्ते अपने निचले स्तर पर पहुंच गए थे, और द्विपक्षीय रिश्तों का तकाजा यही था कि आपसी बातचीत से इसे और कटु होने से रोका जाता। अक्तूबर की शुरुआत में जब कनाडा के प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि वह भारत के साथ विवाद नहीं बढ़ाना चाहते, तब ऐसा लगा कि ओटावा अपनी गलतियों का मुदावा करने को तैयार हो रहा है और चीजें शायद जल्द ही पटरी पर लौट आएं। नई दिल्ली में आयोजित जी-20 समूह के देशों की संसदों के अध्यक्षों के पी-20 सम्मेलन ने उसे एक मौका भी मुहैया कराया था, मगर इसमें शिरकत न करके कनाडा ने न सिर्फ एक अच्छा अवसर गंवाया, बल्कि नई दिल्ली की आशंकाओं को और बल दे दिया। जस्टिन ट्रूडो की राजनीतिक बाध्यता चाहे जो भी हो, वह एक साथ किसी आतंकी के हिमायती और मानवाधिकार के पैरोकार नहीं बन सकते। जिस निज्जर की हत्या पर वह इतना बड़ा कूटनीतिक जोखिम मोल ले बैठे, उस पर बेहद संगीन आरोप थे। बहरहाल, बेहतर तो यही होगा कि दोनों देश स्थिति को बदतर होने से रोकें। कनाडा भारतीय मूल के लोगों का एक लोकप्रिय ठिकाना रहा है और बड़ी संख्या में वहां लोग रहते-काम करते हैं। इसका लाभ दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिल रहा है। फिर ये दोनों लोकतांत्रिक देश हैं और मानवाधिकारों के मुखर प्रवक्ता भी, लेकिन ओटावा को यह समझना होगा कि भारत विरोधी तत्वों की सुरक्षित पनाहगाह बनकर वह नई दिल्ली से उदारता की अपेक्षा नहीं कर सकता। अपनी धरती पर भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ सक्रिय तत्वों पर उसे लगाम लगानी ही होगी। अब यह शीशे की तरह साफ हो चुका है कि आतंकवाद के खिलाफ कोई भी लड़ाई आधी-अधूरी प्रतिबद्धता से नहीं जीती जा सकती। इसलिए, यह खुद कनाडा के हित में होगा कि वह कट्टरपंथियों को अपने यहां प्रश्रय न दे। आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने वाले देशों ने इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकाई या चुका रहे हैं, इसे ओटावा भी अच्छे से जानता है। इसलिए अपनी संप्रभुता की दुहाई, दूसरे की अखंडता की कीमत पर कभी नहीं स्वीकारी जाएगी!

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में महंगाई की फिक्र

जयंतीलाल भंडारी

केंद्र सरकार ने कहा कि इस समय त्योहारी मौसम के दौरान आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है। सरकार ने हाल ही में मूल्य स्थिर रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत सरकार ने अपने नियंत्रण वाले सभी उपायों का उपयोग किया है चाहे वह व्यापारिक नीति हो या स्टॉक सीमा मापदंड तय करने का पैमाना हो। सरकार का यह वक्तव्य ऐसे समय में आया जब इन दिनों हमास-इस्राइल युद्ध, कच्चे तेल उत्पादक देशों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ते हुए ऊंचे स्तर पर पहुंचने तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से दुनियाभर में महंगाई बढ़ने का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। यद्यपि इसी माह अक्तूबर, 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं, लेकिन चुनौतीपूर्ण वैश्विक भूराजनीतिक व आर्थिक चुनौतियों के दौर में तेज महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है। चूंकि महंगाई शहरी मध्यम वर्ग को अधिक प्रभावित करती है, अतएव आगामी चुनावों में महंगाई के मुद्दे के मद्देनजर सरकार द्वारा महंगाई नियंत्रण सरकार की बड़ी चिंता बन गई है। यह चिंता इसलिए भी दिखाई दे रही है क्योंकि पिछले दिनों विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई बढ़ने की चुनौती पैदा हुई है। रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 5.9 फीसदी रहने का अनुमान प्रस्तुत किया गया है, पूर्व में प्रस्तुत महंगाई के अनुमान से नया अनुमान अधिक बताया गया है। हाल ही में 16 अक्तूबर को प्रकाशित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर, 2023 में थोक मुद्रास्फीति दर लगातार छठे महीने शून्य से नीचे घटकर सितंबर में -0.26 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त महीने में थोक महंगाई दर पांच महीने के उच्च स्तर -0.52 फीसदी पर पहुंच गई थी। पिछले माह सितंबर में रासायनिक उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, बुनियादी धातुओं और खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट थोक महंगाई के कम होना प्रमुख कारण है। ज्ञातव्य है कि थोक मूल्य सूचकांक थोक में बेचे और कारोबार किए गए सामानों की कीमतों में बदलाव का मूल्यांकन करता है। इसी तरह देश में खुदरा महंगाई में भी कमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जुलाई, 2023 में जो खुदरा महंगाई दर 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, वह अगस्त, 2023 में घटकर 6.8 फीसदी और सितंबर में 5.02 फीसदी के स्तर पर आ गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बार सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई है। गौरतलब है कि 6 अक्तूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। दरअसल, जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। निःसंदेह इस समय देश में महंगाई को लेकर चुनौतियां मुंह बाएं खड़ी हैं। पिछले माह सितंबर के दौरान ज्यादातर समय कच्चे तेल का दाम 90 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रहा है। अब ये और बढ़ कर 94 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात करता है, अतएव वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के तेजी से बढ़ते हुए मूल्यों के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका है। जहां दुनिया के बाजारों में गेहूं, दाल और चावल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं चीनी की कीमतें तो 12 साल की रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। इसी माह अक्तूबर, 2023 में त्योहारी मांग बढ़ने से गेहूं, अरहर की दालों व अन्य खाद्यान्नों के दाम बढ़ने लगे है। यह भी उल्लेखनीय है कि 18 अक्तूबर को सरकार द्वारा प्रकाशित खाद्यान्न उत्पादन आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन अनुमानित लक्ष्य से 20 लाख टन घटकर 11.05 करोड़ टन रहेगा, दालों का उत्पादन पिछले वर्ष 2.7 करोड़ टन से घटकर 2.6 करोड़ टन और चावल का उत्पादन भी घटकर 13.57 करोड़ टन होने का अनुमान है। ऐसे में गेहूं और दालों की कीमतें बढ़ने की आशंकाएं सामने हैं। निःसंदेह, देश में बढ़ती कीमतों के कारण बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार और आरबीआई कई प्रयासों के साथ आगे बढ़े हैं। केंद्र सरकार ने विगत 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटाकर बड़ी राहत दी है। आरबीआई ने महंगाई के कारण ब्याज दर को न बदलते हुए पूर्ववत रखने का महत्वपूर्ण फैसला किया है। केंद्र सरकार के द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई गयी थी, वह अब तक जारी है। सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। सरकार ने 25 अगस्त से उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। दरअसल, गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है।

इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के जरिये रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है। इसी तरह सब्जियों, दालों और तिलहन के दाम काबू में रखने के लिए भी उपाय किए गए हैं। 25 सितंबर को निर्धारित हुआ है कि दाल के थोक व्यापारी या बड़ी रिटेल चेन अधिकतम 50 टन तुअर और 50 टन उड़द स्टॉक में रख सकेंगी। वहीं सभी खुदरा व्यापारियों के लिए यह सीमा पांच-पांच टन की होगी। दाल आयातक पोर्ट से दाल मिलने के बाद अधिकतम 30 दिनों तक ही दाल को अपने पास रख सकेंगे। आगामी 31 दिसंबर तक दाल के स्टॉक नियम का पालन करना होगा। यद्यपि महंगाई के नए आंकड़ों से महंगाई नियंत्रित दिखाई दे रही है। लेकिन दुनिया के चुनौतीपूर्ण भूराजनीतिक और युद्धपूर्ण परिदृश्य के मद्देनजर महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है। खासतौर से गेहूं के दाम नियंत्रण के लिए खुले बाजार में मांग की पूर्ति के अनुरूप इसकी अधिक बिक्री जरूरी है। आटा मिलों को अधिक मात्रा में गेहूं देना होगा। साथ ही गेहूं के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दिए जाने की जरूरत है। यह भी ध्यान में रखा जाना होगा कि इस वर्ष सरकार 341 लाख टन के मुकाबले किसानों से 262 लाख टन गेहूं ही खरीद पाई है। यह भी ध्यान रख जाना होगा कि एक अक्तूबर तक सरकारी गोदामों में गेहूं का स्टॉक करीब 240 लाख टन था जो पिछले 5 साल के औसत करीब 376 लाख टन से की कम है। देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी होगी। अतिरिक्त नकदी की निकासी पर रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। आवश्यक खाद्य पदार्थों के उपयुक्त रूप से आयात की रणनीति से मजबूत आपूर्ति से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जाना होगा। सरकार द्वारा खुदरा महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक रूप से एक ऐसी मूल्य नियंत्रण समिति का गठन करना होगा, जो बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव को देखते हुए कीमतों के अनियंत्रित होने से पूर्व ही मूल्य नियंत्रण के कारगर कदम उठाने के लिए तत्पर रहे।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

शीघ्र पकने वाली किस्में ही पराली संकट का समाधान

खेत-खलिहानों से प्रदूषण/ डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

भारत सहित दुनियाभर में किसान धान की लगभग 80 प्रतिशत पराली को जलाते हैं जिससे गंभीर वायु प्रदूषण फैलता है। इस वजह से हर साल भारत के घनी आबादी व औद्योगिक घनत्व वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अक्तूबर-नवम्बर महीनों में वायु की गति कम होने और ठंडी हवा आने के साथ वायु प्रदूषण समस्या गंभीर हो जाती है। इसके समाधान के लिए केन्द्र और राज्य सरकारें वर्षों से हजारों करोड़ रुपये व्यय करती आ रही हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिली। दरअसल, देश के उत्तर पश्चिम मैदानी क्षेत्र में हरित क्रांति के दौर में (1967-1975) नीति-नियंताओं द्वारा प्रायोजित धान-गेहूं फसल चक्र ने पिछले पांच दशकों से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और लगभग एक लाख करोड़ रुपये वार्षिक निर्यात को तो सुनिश्चित किया, लेकिन भूजल बर्बादी, पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्या को बढ़ाया। फसल विविधीकरण के सभी सरकारी प्रयासों के बावजूद धान-गेहूं फसल चक्र पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि में लगभग 70 लाख हेक्टेयर भूमि पर अपनाया जा रहा है। इस क्षेत्र में मौसम इनके अनुकूल है वहीं गन्ने की खेती के अलावा धान-गेहूं किसानों के लिए ज्यादा फायदेमंद है। उत्तर पश्चिम भारत के प्रदेशों में धान-गेहूं फसल चक्र में लगभग 40 क्विंटल फसल अवशेष प्रति एकड़ पैदा होते हैं जिसमें से आधे यानी 20 क्विंटल गेहूं भूसे का प्रबंधन खास समस्या नहीं है, क्योंकि पशुचारे के रूप में भूसा उपयोगी है वहीं अगली फसल बुआई की तैयारी के लिए करीब 50-60 दिन मिलने के कारण किसान भूसे का प्रबंधन आसानी से कर लेते हैं। लेकिन बाकी आधे फसल अवशेष यानी धान पराली का प्रबंधन किसानों के लिए गंभीर समस्या है क्योंकि पराली आमतौर पर चारे के लिए उपयोगी नहीं। वहीं अगली फसल की बुआई की तैयारी में 20 दिन से भी कम समय मिलता है। ऐसे में, धान कटाई के बाद पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भारी मात्रा में किसान पराली जलाते हैं। जिससे अक्तूबर-नवंबर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित जम्मू से कोलकाता तक बड़े क्षेत्र में वायु प्रदूषण समस्या पैदा होती है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश सरकारें व वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, किसानों पर जुर्माना लगाने, बायो-डीकंपोजर से पराली गलाने, जैसे प्रयास कर रही हैं जिनके अभी तक सार्थक परिणाम नहीं मिले। पूसा डीकंपोजर के प्रायोजक पूसा संस्थान का मानना है कि डीकंपोजर घोल के छिड़काव से 25 दिन बाद पराली कुछ नरम तो होती है, लेकिन इसे पूरी गलने के लिए करीब 50 दिन चाहिए और बायो-डीकंपोजर मशीनों से पराली प्रबंधन का विकल्प नहीं बन सकता है। वहीं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अनुसंधान बताते हैं कि बायो-डीकंपोजर छिड़काव से खास लाभ नहीं जबकि गहरी जुताई कर पराली भूमि में दबाने और खेत में नमी बनाए रखने से, बिना बायो-डीकंपोजर भी पराली 7 सप्ताह में ही गल जाती है। धान पराली व फसल अवशेष प्रबंधन पर सभी अनुसंधान और तकनीकी रिपोर्ट एकमत हैं कि मशीनों द्वारा फसल अवशेषों को खेत से बाहर निकाल कर उद्योगों में इस्तेमाल करना सर्वोत्तम समाधान है जैसा कि अमेरिका आदि देशों में हो रहा है। लेकिन भारत में छोटी जोत होने से किसान भारी मशीनें नहीं खरीद सकते हैं। ऐसे में पराली को भूमि में मिलाना ही व्यावहारिक उपाय है। यह तभी सम्भव है जब पराली को दबाने और गलाने के लिए 45-50 दिन मिल सकें। कृषि वैज्ञानिकों और नीतिकारों को उत्तर पश्चिम भारत के लिए, धान की खेती के लिए किसान और पर्यावरण हितैषी नयी तकनीक और बुआई कलेंडर आदि विकसित करने होंगे। ऐसे में धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली किस्में कारगर समाधान है। धान कटाई के बाद रबी फसलों गेहूं, सरसों आदि की बुआई की तैयारी के लिए कम समय मिलने के कारण ही किसान मजबूरन पराली जलाते हैं। इसके लिए धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों

(पीआर-126, पीबी-1509 आदि) को प्रोत्साहन एक कारगर उपाय साबित होगा। वहीं लम्बी अवधि वाली किस्मों पर प्रतिबंध ज़रूरी है। जिसमें धान की बुआई 20 मई से शुरू हो कर कटाई 30 सितम्बर तक हो जाती है। रोपाई के बजाय सीधी बिजाई में धान की सभी किस्में 10 दिन जल्दी पक जाती हैं। ऐसे में गेहूं की बुआई से पहले किसान को लगभग 45-50 दिन धान पराली प्रबंधन के लिए मिलते हैं। जिसका सदुपयोग करके फसल चक्र के बीच हरी खाद के लिए ढेंचा, मूंग आदि उगा सकते हैं। इससे पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण में कमी आयेगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी। सरकार इन प्रदेशों में अगर धान की सरकारी खरीद की समय सारणी 15 सितम्बर से 10 अक्तूबर तक तय करे, तो किसान धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों को ही अपनायेंगे। इससे लगभग एक-तिहाई भूजल, ऊर्जा और लागत में बचत के साथ प्रदूषण भी कम होगा। इस वर्ष खरीफ 2023 सीजन में, हरियाणा में धान की सीधी बिजाई प्रोत्साहन योजना के सकारात्मक नतीजे के कारण, प्रदेश के किसानों ने तीन लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर सीधी बिजाई विधि को अपनाया। जो इस पर्यावरण हितैषी विधि में किसानों के विश्वास को दर्शाता है।

विचार मंथन

नेताओं की नैतिकता का चीर हरण

(लेखक - सनत जैन)

पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में नेताओं के वास्तविक चरित्र का खुलासा भारतीय राजनीति के नेता ही आमजन के बीच करते हुए नजर आ रहे हैं। 2014 के बाद से भारतीय राजनीति के तौर तरीके बदल गए हैं। सत्ता पक्ष कभी कोई अपराध, भ्रष्टाचार और घोटाला नहीं करता है, जबकि सारे अधिकार सत्ता पक्ष के पास होते हैं। जो विपक्ष में होते हैं, उनके खिलाफ सरकार जांच कराती है। विपक्षी नेता ही भ्रष्टाचारी होते हैं। पिछले कई वर्षों से यह खेल जिस तरीके से खेला जा रहा है। राजनेता ही एक-दूसरे का चीरहरण कर उसे नंगा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ईड़ी और सीबीआई द्वारा जिस तरह से विपक्षी नेताओं के कृत्यों को उजागर कर वर्षों तक जेल में रखा जा रहा है, विपक्ष ने भी सत्ता पक्ष के ऊपर बड़े-बड़े आरोप लगाए हैं। यह अलग बात है कि उनकी जांच सरकार ने नहीं कराई। माना गया कि सत्ता पक्ष में जो लोग बैठे हैं, वह पूर्णता ईमानदार हैं। अत- जांच एजेंसी ने भी आरोपों की जांच करने की जहमत भी नहीं उठाई। राजनेताओं द्वारा राजनीति में आने के बाद कैसे कमाई की जाती है, इसके एक-एक तरीके को सत्ता पक्ष और विपक्ष उजागर करता नजर आ रहा है। जनता को भी यह पता लग गया है कि नेता बनने के बाद किस तरीके से राजनेता करोड़पति अरबपति और खरबपति बनते हैं। हाल ही में लोकसभा की सदस्य महुआ मोइत्रा द्वारा पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने का एक आरोप लगाया गया है। लोकसभा के सदस्य निशिकांत दुबे ने कारोबारी दुनिया के साथ मिलकर कैसे एक दूसरे को निपटने का काम करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत करते हुए महुआ मोईत्रा की सदस्यता खत्म करने की मांग की है। इसमें प्रमुख कारोबारी गौतम अडानी के साथ-साथ हीरानंदानी समूह के पुत्र दर्शन हीरानंदानी, भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे, पत्रकार सुचिता दलाल एक-दूसरे की पोल खोलते हुए नजर आ रहे हैं। दर्शन हीरानंदानी दुबई में रहते हैं। सांसद महुआ मोईत्रा द्वारा उन्हें अपनी संसद की लॉगिन पासवर्ड आईडी, लोकसभा मे ऑनलाइन प्रश्न पूछने के लिए अधिकृत कर दिया था। जब इस मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष को की गई, उसके बाद से यह मामला तूल पकड़ता हुआ नजर आ रहा है। पिछले एक दशक में सत्ता पक्ष और विपक्ष के राजनेताओं द्वारा एक-दूसरे की पोल खोलकर जनता के सामने नंगा किया जा रहा है। किस तरह सांसद और विधायक, कारोबारी जगत से मिलकर नोट उगलने वाली एटीएम मशीन लगा लेते हैं, एक-एक करके अब यह सब खुलकर जनता के सामने आने लगा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान राजनेताओं और उनके राजनीतिक दलों को हो रहा है। सारे नेता सब एक-दूसरे का चीर हरण करने में लगे हुए हैं, जिसके कारण जनता के सामने अपने नेताओं का वास्तविक चरित्र खुलकर सामने आ रहा है।

इस सारे विवाद में कटना तो खरबूजे को ही है। यहां पर खरबूजा गौतम अडानी है। इन दिनों सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग किसी को घेरने का काम कर रहे हैं, तो वह गौतम अडानी है। निश्चित रूप से आगे चलकर सबसे बड़ा नुकसान अदानी का ही होना है। छुरा खरबूजे पर गिरे या खरबूजा पर छुरा पर गिरे, अंत में कटना तो खरबूजे (गौतम अडानी) को ही है। यह अलग बात है कि गौतम अडानी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्ते पर इसका असर पड़ने लगा है। भारतीय राजनी ति में जिस तरह की सा जिश हो रही है, सत्ता में बने रहने के लिये नी ति-अनी ति के स्थान पर जिस नी ति से सत्ता सुर क्षित रहे, उसे ही राजनी ति मान लिया गया है। सत्ता श क्तिशाली है, अत- लोकतंत्र की सभी संवैधा निक संस्थाये सत्ता के इशारे पर काम कर रही हैं। महाभारत के समयकाल में जब द्रोपदी का चीर हरण हो रहा था, उस समय राज दरबार में गंगा पुत्र भीष्म आंख मूंदकर बैठे रहे। द्रोपदी का चीर हरण होता रहा। उनकी रक्षा के लिये भगवान कृष्ण आये थे। अब संसद में चीर हरण रोकने के लिय कौन आएगा?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अडाणी ग्रीन एनर्जी के नामित निदेशक ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली । अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के निदेशक मंडल में टोटलएनर्जीज का प्रतिनिधित्व करने वाले नामित निदेशक अहलेम फ्रिगा-नोय ने इस्तीफा दे दिया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को कहा कि टोटलएनर्जीज ने अहलेम फ्रिगा-नोय के स्थान पर एक नया निदेशक नामित किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी के निदेशक मंडल में अहलेम फ्रिगा-नोय नामित निदेशक (टोटलएनर्जीज का प्रतिनिधित्व करने वाले) ने 23 अक्टूबर, 2023 से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। टोटल एनर्जीज ने अहलेम फ्रिगा-नोय के स्थान पर एक नया निदेशक नामित किया है। सितंबर में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और टोटल एनर्जीज ने 1,050 मेगावाट पोर्टफोलियो के साथ एक नया संयुक्त उद्यम बनाने के लिए एक बाध्यकारी समझौता किया। इसमें दोनों की हिस्सेदारी बराबर-बराबर है।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 37 प्रतिशत बढ़कर 244 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा 178 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल बिक्री बढ़कर 2,002 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,675 करोड़ रुपये रही थी।

हायर के फेस-टू की इकाई का मैप स्वीकृत, 400 करोड़ के निवेश से 1,000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में हायर अप्लायंसेज दूसरे चरण की इकाई का निर्माण शुरू करने जा रहा है। हायर के फेस-टू की इकाई का निर्माण करने के लिए मैप स्वीकृत हो गया है। कंपनी के मुताबिक दूसरे चरण की विस्तार इकाई में करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 1,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह प्लांट करीब एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्लांट में इंजेक्शन मोल्डिंग और शीट मेटल का निर्माण किया जाएगा, जो वर्तमान में कार्यरत इकाइयों में ही इस्तेमाल होगा। यह हायर अप्लायंसेज का चौथा प्लांट है। इससे पहले एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन का प्लांट शुरू किया जा चुका है। हायर कंपनी को वर्ष 2018 में 122 एकड़ का भूखंड आवंटित किया गया है। कंपनी प्रथम चरण में लगभग 1,600 करोड़ रुपये का निवेश और करीब 2,500 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान कर चुकी है। आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा है कि निवेशकों से अपील की है कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ग्रेटर नोएडा में निवेश के इच्छुक निवेशकों को दोनों संस्थानों की तरफ से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

चीन ने प्रमुख ईवी बैटरी घटक पर नए निर्यात प्रतिबंध लगाए

हांगकांग।

चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिसंबर से कुछ ग्रेफाइट उत्पादों पर अतिरिक्त निर्यात प्रतिबंधों की घोषणा की है। उसका यह कदम दुनिया भर में ईवी निर्माताओं को प्रभावित कर सकता है क्योंकि देश प्राकृतिक ग्रेफाइट का मुख्य स्रोत और उत्पादक है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शुक्रवार को बताया कि चीन में निर्यातकों को 1 दिसंबर से परमिट के लिए आवेदन करने की आवश्यकता होगी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ग्रेफाइट के शीर्ष आयातकों में से हैं।मशीनरी, पेट्रोकेमिकल, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों के लिए बैटरी, ईंधन सेल और स्नेहक बनाने के लिए ग्रेफाइट का व्यापक रूप से उपयोग होता है। रिपोर्ट में कहा गया है, हाल के वर्षों में मांग बढ़ी है क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कच्चा माल है। चीन ने 2022 में कुल विश्व ग्रेफाइट आपूर्ति का अनुमानित 65 प्रतिशत उत्पादन किया। देश के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाना एक आम अंतरराष्ट्रीय प्रथा है। दुनिया के सबसे बड़े ग्रेफाइट उत्पादक और निर्यातक के रूप में चीन लंबे समय से अप्रसार जैसे अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को मजबूती से पूरा कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा की आवश्यकता के आधार पर चीन ने कानून के अनुसार विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू किया है, और कुछ ग्रेफाइट वस्तुओं पर अस्थायी नियंत्रण लागू किया है। जैसे-जैसे अमेरिका और उसके सहयोगियों की ओर से तकनीकी प्रतिबंध - विशेष रूप से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में - बढ़ते जा रहे हैं, चीन ने भी जैसे को तैसा की कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों के निर्यात पर अपनी

पकड़ कड़ी कर दी है।इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिका ने चीन-विशिष्ट एनवीडिया और इंटेल ग्राफिक प्रोसेसिंग इकाइयों (जीपीयू) पर निर्यात प्रतिबंध लगाया था। बीजिंग ने जुलाई में सेमीकंडक्टर निर्माण में उपयोग की जाने वाली दो प्रमुख सामग्रियों गैलियम और जर्मेनियम पर निर्यात नियंत्रण की घोषणा की थी, जिन पर चीन का अर्ध-एकाधिकार है।

पेट्रोल पंपों पर वेपर रिकवरी सिस्टम में देरी के लिए बीपीसीएल पर जुर्माना लगाया गया

मुंबई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सरकारी स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को अपने पेट्रोल ईंधन भरने वाले स्टेशनों और स्टोरेज टर्मिनलों पर निर्धारित समय सीमा के भीतर वेपर रिकवरी सिस्टम स्थापित नहीं करने के लिए पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 2 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। बीपीसीएल ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत जारी सीपीसीबी नोटिस में कहा गया है कि कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट और सीपीसीबी द्वारा तय समयसीमा के भीतर वेपर रिकवरी सिस्टम स्थापित नहीं किया है। बीपीसीएल ने कहा कि वह नोटिस की जांच कर रही है और जल्द ही उचित जवाब देगी। इस बीच, उसने सीपीसीबी से आगे नहीं बढ़ने और कंपनी को नोटिस से मुक्त करने का अनुरोध किया है।

हम पायलटों के नौकरी छोड़ने से उत्पन्न संकट से बाहर आ गए हैं: अकासा एयर

नई दिल्ली । अकासा एयर ने कहा कि कंपनी धीरे-धीरे पायलटों के अचानक नौकरी छोड़ने से उत्पन्न हुई उथल-पुथल से बाहर आ रही है। एयरलाइन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी एयरलाइनों के बीच सीमित आपसी भर्ती (नो-पोचिंग) समझौते के एकदम खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं होगा। गौरतलब है कि अकासा एयर को उड़ान भरते हुए एक वर्ष से थोड़ा अधिक समय हुआ है। उसके पास 450 से अधिक पायलट हैं और विस्तार योजनाओं को देखते हुए यह संख्या बढ़ेगी। अप्रैल में हमारे पास लगभग 330 पायलट थे। इसके बाद लगभग 40 पायलट नोटिस अवधि को पूरा किए बिना चले गए। आज हमारे पास 450 से कुछ अधिक पायलट हैं। अप्रैल से आज तक हमने करीब एक तिहाई अतिरिक्त पायलट जोड़े हैं। एयरलाइन ने संबंधित पायलटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की है। दुबे ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एयरलाइन उद्योग के स्तर पर कुछ भी करने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर में कंपनी का नेटवर्क 10 प्रतिशत बढ़ेगा और फिर मार्च तक इसमें 33 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक गिरावट रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के ओ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी बांड प्रतिफल में मजबूती के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। वैसे साप्ता हिक आधार पर देखा जाए तो बीएसई सेंसेक्स में 885.12 अंक (1.33 प्रतिशत) और निफ्टी में 208.4 अंक (1.05 प्रतिशत) की गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच प्रमुख घरेलू बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 165.36 अंकों की गिरावट के साथ 66,117.38 पर खुला और 116 अंक के नुकसान से 66,167 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 40.80 अंक फिसलकर 19,710.25 पर खुला और 23 अंक के नुकसान से 19,728 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी को देखते हुए एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस जैसे बड़े शेयरों की अगुवाई में मंगलवार को सेंसेक्स 314 अंक 66,481 पर खुला और 261.16 अंकों की बढ़त के साथ 66,428.09 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 84 अंकों की बढ़त के साथ 19,816 के स्तर पर खुला और 79.75 अंक मजबूत होकर 19,811.50 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स

106.23 अकं की गिरावट के साथ 66,321.86 पर खुला और 551.07 अंकों की गिरावट के साथ 65,877.02 पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 22.75 अंक की गिरावट के साथ 19,788.75 पर खुला और 140.41 अंक टूटकर 19,671.10 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 450 अंक नीचे 65,390 पर खुला और 247.78 अंक नीचे 65,629.24 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंकों की गिरावट के साथ 19,500 पर खुला और 46.40 अंकों की गिरावट के साथ 19,624.70 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह के ओ खिरी दिन शुक्रवार को भी नुकसान के साथ कारोबार की शुरुआत की है। सेंसेक्स करीब 200 अंकों के नुकसान के साथ 65,450 अंक पर खुला और 231.62 (0.35 फीसदी) अंक फिसलकर 65,397.62 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 80 अंक से गिरकर 19,550 अंक पर खुला और 82.05 (0.42 फीसदी) अंक टूटकर 19,542.65 अंक पर बंद हुआ।

आरबीएल बैंक गो सेविंग्स अकाउंट लांच करेगी, खाता खोलना होगा आसान

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक ने अपने नवीनतम डिजिटल बैंकिंग प्रोडक्ट गो सेविंग्स अकाउंट के लॉन्च की घोषणा की है।

यह अकाउंट खोलना आसान है और इसे आसानी से ऑपरेट किया जा सकता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक जीरो बैलेंस अकाउंट है। यह प्रोडक्ट सभी आयु वर्ग के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल है। यह सालाना 7.5 फीसदी तक की उच्च ब्याज दरों, एक प्रीमियम डेबिट कार्ड और प्रीमियर ब्रांड्स के 1,500 रुपये के वाउचर सहित कई कस्टमर-फ्रेंडली लाभ प्रदान करता है। यह अकाउंट 1 करोड़ रुपये तक का कॉम्प्रिहेंसिव साइबर इंश्योरेंस कवर, एक्सीडेंट और ट्रैवल इंश्योरेंस और मुफ्त सीआईबीआईएल रिपोर्ट भी प्रदान करता है। यह अकाउंट प्रीमियम बैंकिंग सर्विसेज की एक रेंज भी प्रदान करता है। इसमें पहले साल की सब्सक्रिप्शन फीस 1999 रुपये (प्लस टैक्स) है। इसके अलावा इस अकाउंट पर 599 रुपये (प्लस टैक्स) के एनुअल रिन्यूअल फीस लगती है। बता दें कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक पर 64 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। आरबीएल बैंक मार्च को समाप्त होने वाले तीन वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2018, 31 मार्च 2019 और 31 मार्च 2020 के लिए अपने शेयर होल्डर्स से फॉर्म-बी से डिक्लेरेशन नहीं ले पाया। इन 3 वित्तीय वर्ष के सितंबर के अंत तक अपने प्रमुख शेयरधारकों में से एक की फिट और प्रॉपर स्टेटस को जारी रखने के संबंध में आरबीआई को सर्टिफिकेट नहीं दे पाया। आरबीआई ने कहा था कि बजाज फाइनेंस पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने और आरबीआई को कुछ धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में देरी करने के कारण जुर्माना लगाया गया है।

हाइड्रोजन उपकरण का बाजार 2030 तक 50 अरब डॉलर होगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली: हाइड्रोजन क्षेत्र के निकाय आईएच2ए ने बुधवार को उम्मीद जताई कि घरेलू हाइड्रोजन उपकरण विनिर्माण एवं सेवा का बाजार वर्ष 2030 तक 45-50 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इंडिया हाइड्रोजन अलायंस (आईएच2ए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसका यह आकलन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र से संबंधित सभी उपकरणों पर आधारित है। इन उपकरणों के घरेलू इस्तेमाल के अलावा पश्चिम एशिया एवं अफ्रीकी देशों को निर्यात भी इसमें शामिल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार का आकार इस स्तर पर पहुंचने से भारत भावी हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला के एक केंद्र के रूप में उभरकर सामने आएगा। उद्योग निकाय ने हरित हाइड्रोजन का क्षेत्रीय उपकरण एवं सेवा निर्यात बाजार 36 अरब डॉलर तक पहुंचने का भी अनुमान जताया है। इसके साथ ही इसने कहा कि अगले सात वर्षों में घरेलू हाइड्रोजन उपकरण बाजार 9-13.5 अरब डॉलर का हो जाएगा।

8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरी तिमाही में भारत के स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे सैमसंग

नई दिल्ली।

सैमसंग ने तीसरी तिमाही में 18 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी और 7.9 मिलियन यूनिट की शिपमेंट के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। शाओमी 7.6 मिलियन यूनिट की शिपिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जो मुख्य रूप से इसके किफायती 5जी मॉडल की रिलीज से प्रेरित है। मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के अनुसार, वीवो 7.2 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि रियलमी और ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) क्रमशः 5.8 मिलियन और 4.4 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी करके शीर्ष पांच में रहे। भारत ने 2023 की तीसरी तिमाही में 43 मिलियन शिपमेंट दर्ज की, क्योंकि बाजार धीरे-धीरे रिकवरी की ओर बढ़ रहा है। हालांकि शिपमेंट में साल-दर-साल 3 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन तिमाही में उपभोक्ता माहौल में सुधार देखा गया, जिससे विक्रेताओं को नए पेश किए गए उपकरणों पर पूंजी लगाने की अनुमति मिली।कैनालिस के वरिष्ठ विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा, तीसरी तिमाही में, स्मार्टफोन ब्रांडों ने बजट-अनुकूल 5जी विकल्पों पर जोर देने के साथ रणनीतिक रूप से अपने उत्सव उत्पाद लाइनअप को बढ़ावा दिया। एंट्री-लेवल सेगमेंट में मांग में वृद्धि देखी गई क्योंकि विक्रेताओं ने बड़े पैमाने पर 5जी मॉडल पेश किए। चौरसिया ने कहा, प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत वृद्धि का अनुभव जारी रहा। यह सैमसंग की एस23 सीरीज और पुरानी पीढ़ी के एप्पल आईफोन्स, जैसे आईफोन 14 और आईफोन 13 द्वारा संचालित था, जो फेस्टिव सेल्स के दौरान आकर्षक डील्स पर पेश किए जा रहे थे।बाजार में एचटेक के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम मार्ग के माध्यम से ऑनर की रि-एंट्री भी देखी गयी और इसका ऑनर 90 मॉडल लॉन्च किया गया।

वनप्लस, इनफिनिक्स और टेक्नो जैसे ब्रांडों मुख्य रूप से चैनल की उपस्थिति में वृद्धि, पेशकश में वृद्धि और 2021 की चिप की कमी की अवधि से कुछ सकारात्मक गति प्राप्त करने के कारण मजबूत वृद्धि देखी। चौरसिया ने कहा, दूसरी छमाही में बाजार में उपभोक्ता विश्वास बढ़ने के बावजूद, सुधार की राह को वैश्विक आर्थिक चिंताओं से चुनौती मिलेगी। 2024 में वृद्धि अनिश्चित व्यापक आर्थिक कारकों पर निर्भर करती है, जो विशेष रूप से कमजोर एंट्री लेवल सेगमेंट को प्रभावित करती है।

एफपीआई ने अक्टूबर में नकदी बाजार में की 16,176 करोड़ रुपये की बिकवाली

नई दिल्ली।

एफपीआई ने अक्टूबर में अपनी बिक्री का सिलसिला जारी रखा और नकद बाजार में बिक्री 16176 करोड़ रुपये से अधिक की बि क्री की । यह बात जिओजित फाइनेंशियल सेवाओं के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कही। उन्होंने कहा, एफपीआई वित्तीय, बिजली, एफएमसीजी और आईटी जैसे क्षेत्रों में बिकवाली कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल और पूंजीगत वस्तुओं में बिकवाली कम रही। निरंतर बिक्री का प्राथमिक कारण अमेरिकी बांड पैदावार में तेज वृद्धि थी, जो 17 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एफपीआई की बिक्री बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि जब स्थिति बदलेगी तो पूंजी का बहिर्प्रवाह उलट जाएगा। एफपीआई निवेश की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता ऋण बाजार में बढ़ता प्रवाह है। इसके कई कारण हैं। एक, वैश्विक अनिश्चितता और वैश्विक अर्थव्यवस्था में कमजोरी के बीच एफपीआई अपने निवेश में विविधता ला रहा है। भारतीय बांड अच्छा रिजले ट दे रहे हैं और भारत के स्थिर मैक्रोज़ को देखते हुए आईएनआर स्थिर होने की उम्मीद है। एक अन्य कारक जेपी मॉर्गन ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स में भारत का शामिल होना है। कुछ एफपीआई प्रमुख खरीदारों द्वारा भारतीय बांड खरीदने पर रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बढ़कर विदेशी निवेशक अब भारत को सबसे अच्छी विकास कहानी के साथ सबसे स्थिर उभरते बाजार के रूप में देखते हैं।

कच्चे तेल में गिरावट, पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

इजराइल और हमास के बीच जारी हमले से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड के दाम में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हल्की गिरावट देखने को मिली। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 88.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है लेकिन इस बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। महाराष्ट्र में शे निवार को पेट्रोल की कीमत कल की तरह 106.98 प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई हैं. वहीं, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता समेत देश के 4 महानगरों और बड़े शहरों में भी अमूमन ईंधन की कीमतें अपरिवर्तित रहीं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर हो गया है. गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है. लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एलन मस्क के एक्स को पिछले महीने 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता का नुकसान

नई दिल्ली।

एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) पर पिछले महीने 50 करोड़ से अधिक यूजर विजिट कम हो गए और एलन मस्क द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म अब वैश्विक रैंकिंग में इंस्टाग्राम के बाद सातवें स्थान पर आ गया है। नए सिमिलरवेब डेटा के अनुसार, सितंबर में एक्स का ट्रैफिक 6.4 बिलियन से घटकर 5.8 बिलियन हो गया, जो 10 प्रतिशत का नुकसान है। सितंबर में ट्विटर पर विजिट करने वाले 176 देशों में से 83 प्रतिशत में महीने-दर-महीने विजिट में गिरावट देखी गई।वेंचर स्मार्टर द्वारा डेटा के विश्लेषण से पता चला कि एक्स अब मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम के बाद वैश्विक रैंकिंग में सातवें स्थान पर आ गया है।सितंबर में ट्विटर का उपयोग करने वाले 176 देशों में से चार-पांचवें (83 प्रतिशत) से अधिक देशों में वेबसाइट पर महीने-दर-महीने ट्रैफिक में गिरावट देखी गई।गूगल डेटा से यह भी पता चला है कि पिछले साल मस्क द्वारा कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद से ट्विटर पर वैश्विक खोज में गिरावट आई है, जो 14 मिलियन मासिक खोज से घटकर एक साल बाद 11 मिलियन हो गई है, जो नवंबर 2018 के बाद से सबसे कम है। वेंचर स्मार्टर के प्रवक्ता ने कहा, समान वेब ट्रैफिक से पता चलता है कि ट्विटर तेजी से ट्रैफिक खो रहा है और वैश्विक रैंकिंग में पहले ही नीचे गिर चुका है।

जब से मस्क ने पदभार संभाला है, इसकी लोकप्रियता में गिरावट होती दिख रही है। सैकड़ों देशों से ट्रैफ़िक में गिरावट देखना चौंका देने वाला है, और यह बॉट्स से निपटने के लिए ट्विटर के पर्दे के पीछे के प्रयास भी हो सकते हैं।प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, जैसा कि मस्क ने हाल ही में कहा है, 1 डॉलर का शुल्क बॉट्स से लड़ने का एकमात्र तरीका हो सकता है, इससे अधिक संभावना है कि उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म से स्विच ऑफ कर रहे हैं।

मस्क ने शुक्रवार को कहा कि एक्स जल्द ही दो नए भुगतान वाले प्रीमियम टियर लॉन्च करेगा और विज्ञापनों के साथ उस टियर में से एक की कीमत मौजूदा 8 डॉलर प्रति माह से कम होगी।

अंकतालिका में नंबर-1 बनने न्यूजीलैंड को हराने आज उतरेगा भारत

धर्मशाला (एजेंसी)। विश्व कप 2023 का 21वां मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच धर्मशाला स्टेडियम में 22 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों टीमें वर्तमान में प्रचंड फॉर्म में चल रही हैं। दोनों की टीमें अब तक वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी हैं। इसके बाद धर्मशाला में एक टक्कर का मुकाबला देखने को मिलेगा।

जो भी टीम मैच विजेता बनेगी, वह अंकतालिका में नंबर 1 पर आ जाएगी। इस समय कीवी टीम पहले और भारत दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों ने अब तक 4-4 मैच जीते हैं। फर्क सिर्फ रन रेट में है। इसके बाद अगर रोहित सेना कीवी टीम को हराएगी, तब टॉप पर आ जाएगी। दरअसल धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की पिच तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। तेज हवाओं और आसमान में बादल रहने की वजह से गेंद काफी ज्यादा स्विंग करती है। तेज गेंदबाजों का धर्मशाला में तूफान मचाना तय है। साथ-साथ पिच पर बाउंस भी अच्छा रहता है, इसकारण बल्लेबाजों को भी मदद मिलती है।

अगर शुरुआती ओवर में बल्लेबाजों ने संभलकर खेल लिया तब बड़ा स्कोर बनाना तय हैं। मिडिल ओवर में स्पिनर्स भी अच्छा कर सकते हैं। इस मैदान में अब तक कुल 7 वनडे मुकाबले हुए हैं, जिसमें से 3 पहले बल्लेबाजी और 4 दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। वहीं टीम इंडिया ने मैदान पर 4 वनडे खेले हैं, उनका रिकॉर्ड इधर 50-50 रहा है। रात को धर्मशाला में ड्यू फैक्टर भी देखने को मिल सकता है। इसकारण जो कप्तान टॉस जीतेगा वह पहले गेंदबाजी करने को देख सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी।

न्यूजीलैंड- केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लाथम, विल यंग, मार्क चैपमेन, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, जिमी नीशरम, मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, डिवॉन कॉन्वे, ईश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट।

पाकिस्तान की हार पर बोले गेंदबाजी कोच मोर्कल, कहा- 'हमारे गेंदबाज दबाव बनाने में नाकाम रहे'

ओडेंस (एजेंसी)। शुक्रवार को बेंगुलरु में पाकिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला खेला गया। जिसमें पाकिस्तान टीम को हार झेलनी पड़ी। वर्ल्ड कप में जहां पाकिस्तान की शुरुआत बेहतरीन जीत से हुई वहीं कंगारू टीम को भारत के खिलाफ हार देखनी पड़ी। लेकिन पाकिस्तान टीम अपनी इस जीत की लय को बरकरार रखने में नाकामयाब रही। जबकि कंगारूओं ने बेहतरीन वापसी करते हुए अभी तक दो मुकाबले जीत लिए हैं। वहीं पाकिस्तान की हार पर पाक गेंदबाज कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम के गेंदबाजों को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने वनडे विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया से हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शाहीन शाह अफरीदी ने पांच विकेट लेकर अपनी लय हासिल की लेकिन हारिस रऊफ और हसन अली का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा। हारिस रऊफ ने अपने पहले स्पैल में 24 रन लुटाई। रऊफ और हसन अली ने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जोड़ी डेविड वार्नर और मिशेल मार्श को रन बटोरने के कई मौके दिए। मोर्कल ने मैच के बाद कहा, ''पिछले दो मैचों में हमारी चर्चा का एक विषय गेंदबाजी में साझेदारी निभाना रहा है। मेरा मानना है कि भारत में यह बेहद अहम होता है। दोनों छोर से दबाव बनाना बहुत जरूरी है और अभी हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं।'' पाक गेंदबाजी कोच ने आगे कहा,''हमारी गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अगर आपको 19 नवंबर को विश्व कप ट्रॉफी उठानी है तो फिर गेंदबाजों को दोनों छोर से निरंतरता बनाए रखनी होगी।''

ईपीएल का आगामी सीजन विदेश में होगा आयोजित? चेयरमैन अरुण धूमल ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 को लेकर फैंस अभी से उत्साहित हैं। लेकिन अभी सभी के मन में एक ही सवाल है कि आईपीएल 2024 का आयोजन कहां होगा? दरअसल, इस साल भारत में लोकसभा के चुनाव होने हैं। इससे पहले 2009 में इन्हीं चुनावों के कारण इसे भारत से बाहर दक्षिण अफ्रीका में करवाया गया था। आगामी आईपीएल के वेन्यू को लेकर आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने बताया है कि हम इतने सक्षम हैं कि चुनावों के साथ आईपीएल का आयोजन देश में ही करवा सकते हैं।

कोरोना काल में दो साल बाद आईपीएल 2022 का आयोजन भारत में हुआ था। लेकिन 2022 में भी सिर्फ चार स्टेडियम में पूरे ग्रुप स्टेज के मुकाबले आयोजित किए गए। 2023 में आईपीएल अपने पुराने रूप में लौटा, जब हर टीम के होम ग्राउंड पर मैच खेले गए। ये सब कोरोना के चलते 2020 में तो आईपीएल बिना दर्शकों के खेला गया था। आगामी आईपीएल के वेन्यू को लेकर हो रही चर्चा किसी संक्रमण की वजह से नहीं बल्कि चुनावों के कारण से हैं। क्या चुनावों के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग का आयोन उसी तरह हो पाएगा जैसा इस साल 2023 में हुआ था। बता दें कि, दैनिक जागरण से बात करते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि, ये चुनौती है, लेकिन 2019 में भी चुनाव थे और हमने सफलतापूर्व आईपीएल का आयोजन कराया था। मैं मानता हूं कि सरकार और हमारी सुरक्षा एजेंसियां चुनाव और बाकी आयोजन को एक साथ कराने में सक्षम हैं। अगले साल आईपीएल भारत में ही होगा। कार्यक्रम के लिए हमें थोड़ा समय लगेगा क्योंकि चुनाव आयोग द्वारा तारीख कि घोषणा के बाद ही इस पर काम किया जाएगा। देखना होगा कि किस चरण में किस प्रदेश में चुनाव होंगे। उस हिसाब से हम कार्यक्रम बनाने की कोशिश करेंगे। इसके लिए हमने इंतजार करना होगा। हम सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। सरकार का मार्गदर्शन लेकन हम आईपीएल का सफलतापूर्वक आयोजन करेंगे।

गत चैंपियन इंगलैंड की शर्मनाक हार, द. अफ्रीका ने 329 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट विश्व कप 2019 की चैंपियन इंगलैंड को शनिवार के दिन वानखेड़े स्टेडियम में सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर इंग्लैंड को 400 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। हेनरिक क्लासेन ने 109 तो रीजा हेंड्रिक्स ने 85 रन बनाए थे। जवाब में इंगलैंड की टीम 170 रन ही बना पाई। यह क्रिकेट विश्व कप में उनकी 7वीं बड़ी हार है। सबसे बड़ी हार का नाम अफगानिस्तान के नाम पर हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2015 विश्व कप के दौरान 275 रन से मैच गंवाया था।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट पर 399 रन बनाए। यह विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का सर्वोच्च स्कोर है। क्लासेन ने अपनी चौथी शतकीय पारी के दौरान 4 छक्के और 12 चौके जड़े। उन्होंने 67 गेंद में 109 रन बनाए। यानसेन ने 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 75 रन बनाए। यह उनके करियर का पहला अर्धशतक है। इससे पहले रीजा हेंड्रिक्स (75 गेंद में 85 रन) और रासी वेन डर डुसेन (61 गेंद में 60 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। क्लासेन को उमस भरी गर्मी में अपनी पारी के दौरान नियमित रूप से तरल पदार्थ के सेवन करते देखा गया। वह ऐंठन की समस्या के बीच मैदान पर डटे रहे। वही दूसरी ओर इंग्लैंड के कुछ गेंदबाजों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। क्लासेन ने मार्क वुड (सात ओवर में 76 रन) के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर पारी के 47वें ओवर में 61 गेंद में इस साल का अपना तीसरा शतक पूरा किया। क्लासेन और यानसेन ने छठे विकेट के लिए सिर्फ 77 गेंदों पर 151 रन जोड़े, जो अब वनडे के साथ-साथ विश्व कप इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए एक रिकॉर्ड है। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा के बीमार पड़ने और क्विंटन डिकॉक (चार) के जल्दी आउट होने के कारण, दक्षिण अफ्रीका को दमदार बल्लेबाजी की जरूरत थी और उनके बल्लेबाजों ने यह सुनिश्चित किया। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी 10 ओवरों में 143 रन बटोरे जिसमें से 46वें से 50वें ओवर में 84 रन बने। पारी की शुरुआत में रीस टॉपली (88 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर के कैच को मैदानी अंपायर ने नकार दिया लेकिन रिव्यू के बाद डिकाक को पवेलियन की राह नापनी पड़ी। डुसेन ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी की जबकि हेंड्रिक्स ने कुछ करारे प्रहार किये। दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में 59 रन जुटाये जिसमें वुड का स्वागत बल्लेबाजों ने चौकों से किया। टॉपली जब मैदान में वापस आये तब तक कामचलाउ गेंदबाज जो रूट 6.1 ओवर में बिना किसी सफलता के 48 रन लुटा चके थे।

अब मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच बने मलिंगा

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल (फ्रैंचाइजी) मुंबई इंडियन्स ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को अपना तेज गेंदबाजी कोच बनाने की घोषणा की है। कमिंगा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह लेंगे। बॉन्ड ने इससे पहले गेंदबाजी कोच के पद को छोड़ दिया था। मलिंगा ने मुंबई इंडियन्स की ओर से 11 सत्र खेलें हैं। इसके अलावा वह 2018 में टीम के गेंदबाजी मेंटोर भी रहे थे। मलिंगा आगामी सत्र से पहले कोचिंग दल से जुड़ेंगे। टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर जबकि कीरोन पोलार्ड टीम के बल्लेबाजी कोच हैं। फ्रेंचाइजी का मानना है कि तीन पूर्व क्रिकेटर 'डगआउट में एक मजबूत साझेदारी बनाएंगे। मलिंगा इस फ्रेंचाइजी की अन्य टीमों के गेंदबाजी कोच रहे है जिसमें मेजर लीग क्रिकेट में एमआई न्यूयॉर्क और एसए20 में एमआई केपटाउन की टीम शामिल है। वहीं इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की कोचिंग टीम में शामिल रहे मलिंगा ने कहा, 'मैं बाउचर, पोलार्ड, कप्तान रोहित शर्मा व टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं विशेष रूप से गेंदबाजी इकाई के साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं जिसका रुख मुझे पिछले सत्र में पसंद आया था। मुंबई इंडियन्स की युवा प्रतिभाओं में उत्कृष्टता हासिल करने की जबरदस्त क्षमता है।

एडम जंपा ने किए 150 वनडे विकेट पूरे, कप्तान पैट कमिंस ने की तारीफ

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने 150 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं, इस पर कप्तान पैट कमिंस ने जमकर तारीफ की है। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा 4 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इफितखार अहमद और मोहम्मद नवाज की विकेट चटकाई जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत यकीनी हो गई। जंपा ने 4 विकेट लेने के साथ ही अपने वनडे करियर में 150 विकेट भी पूरे कर लिए। उनकी शानदार परफार्मेंस पर कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि वह बेहद ही शानदार रहे हैं, उन्होंने आज मैच में अपनी अच्छी क्लास दिखाई। वह हमारे बीच में असली विकेट लेने वाला गेंदबाज है। कमिंस ने कहा कि अब हमारा टारगेट इस बेंचमार्क को बनाए रखने पर है। गौरतलब है ?कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ग्लेन मैकग्रा और ब्रैट ली के नाम पर हैं जिन्होंने क्रमश- 249 और 221 मैचों में 380-380 विकेट लिए हैं। शेन वार्न के 291 तो मिचेल जॉनसन के 239 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक्टिव क्रिकेटर माइकल स्टार्क 226 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, जंपा 151 विकेटों के साथ अभी इस लिस्ट में 11वें स्थान पर बने हुए हैं। उम्मीद है कि वह तेजी के साथ 200 विकेट क्लब में पहुंच जाएंगे। विश्व कप 2023 में टॉप विकेटकर में 11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड, 10 जसप्रीत बुमराह, भारत, 9 मेट हेनरी, न्यूजीलैंड, 9 शाहीन अफरीदी, पाकिस्तान, 9 एडम जंपा, ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मैच में स्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने रिकॉर्ड पार्टनरशिप बनाकर अपने-अपने शतक भी पूरे किए और टीम को 367 रन तक पहुंचा दिया। वार्नर ने 163 तो मार्श ने 121 रन बनाए। स्टोइनिस 21, जोश 13 रन बना सके। अफरीदी ने 5, हैरिस राऊफ ने 3 तो उसमा मीर ने एक विकेट लिया। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान ने अच्छी शुरूआत की और 20 से 30 ओवर के बीच उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में आने का मौका मिल गया।

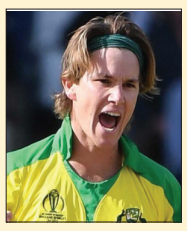

श्रीलंका को मिली वर्ल्ड कप 2023 में पहली जीत, नीदरलैंड्स को 5 विकेट से हराया

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीलंका ओम ने आखिरकार सदीरा समरविक्रमा की बेहतरीन पारी की बदौलत क्रिकेट विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। लखनऊ के मैदान पर नीदरलैंड ने पहले खेलते हुए साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट के 70, वेन बीक के 59 रनों की बदौलत 262 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका ने पाथुम निसांका के 54, असलांका के 44 तो समरविक्रमा के 91 रनों की बदौलत 5 विकेट से जीत हासिल कर ली। श्रीलंका इससे पहले दक्षिण अफ्रीका से 102 रन, पाकिस्तान से 6 विकेट तो ऑस्ट्रेलिया से 5 विकेट से हार झेल चुका है।

इससे पहले नीदरलैंड ने साइब्रैंड एंगलब्रेट (70) और लोगन वैन बीक (59) के बीच 130 रन की शतकीय साझीदारी की बदौलत 262 रनबनाए थे। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर नीदरलैंड्स एक समय 91 रन पर शुरुआती छह विकेट गंवा कर संघर्ष की स्थिति में था मगर साइब्रैंड और वैन बीक ने जबरदस्त बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने क्रीज पर समय देते हुए बाउंड्री की बजाय सिंगल्स और डबल्स रन लेने में रुचि दिखाई और ढीली गेंदों पर प्रहार भी किए। नतीजन नीदरलैंड्स का स्कोरबोर्ड चल निकला और 45 ओवर की समाप्ति पर स्कोर 221 हो गया।

इस बीच कप्तान कुसल मेंडिस ने अपने स्ट्राइक गेंदबाज दिलशान मदुशंका को गेंद थमाई और उन्होंने इसे सही फैसला करार देते हुए साइब्रैंड को क्लीन बोल्ड आउट कर पार्टनरशिप को तोड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने अपने अगले ही ओवर में रूलाफ वैन डर मर्व को विकेट के पीछे कैच करा कर नीदरलैंड्स को 250 से कम टोटल पर रोकने की कोशिश की मगर एक छोर पर जम वैन बीक ने पुछल्ले बल्लेबाजों के सहारे टीम के स्कोर को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

मदुशंका और कसुन रजिता ने 4-4 विकेट झटके वहीं महीश थीक्षणा को एक सफलता मिली। आखिरी विकेट के रूप में पाल वैन मीकरेन (4) नो बॉल पर रन आउट करार दिए गए। श्रीलंका की ओर से दिलशान मधुशंका और रजिथा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4-4 विकेट लिए। इसी तरह ठीकषाना ने 44 रन देकर 1 विकेट लिया।

जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका की शुरूआत भी खराब रही। कुसल परेरा 5 तो कुसल मेंडिस केवल 11 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन इसके बाद निसांका और समरविक्रमा ने पारी को संभाला। निसांका 52 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 54 रन बनाकर 17वें ओवर में आऊट हो गए। तभी श्रीलंका का स्कोर 104 रन था। इसके बाद समरविक्रमा ने चरिथ असलांका के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया।

असलांका इस दौरान बेहतरीन टच में नजर आए। उन्होंने डिफेंसिव मोड अपनाए रखा और 33वें ओवर में आऊट होने से पहले 66 गेंदों पर 2 चौके और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। समरविक्रमा 45वें ओवर तक 86 रन बना चुके थे लेकिन तभी धनंजय ने जोरदार हिट लगानी शुरू कर दी और श्रीलंका को जीत तक पहुंचा दिया। समरविक्रमा को 91 रनों पर संतोष करना पड़ा। जबकि धनंजय ने 37 गेंदों पर एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त 44 रन देकर 3 विकेट लेने में सफल रहे।

ऑस्ट्रेलियाई तैराक कायली मैककेन ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में बनाया विश्व रिकॉर्ड

बुडापेस्ट - ऑस्ट्रेलिया की तैराक कायली मैककेन ने बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम रखते हुए विश्व कप प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। मैककेन ने 26.86 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने चीन की लियू जियांग के 2018 में बनाए गए 26.98 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। मैककेन 50, 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली महिला बन गईं हैं। उन्होंने जुलाई में विश्व चैंपियनशिप में इन तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक हासिल किया था। 50 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक में शामिल नहीं है।

क़तर मास्टर्स शतरंज - उज्बेकिस्तान के याक़ूबबोएव बने विजेता , भारत के नारायनन को तीसरा स्थान

क़तर । दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट मैं से एक क़तर मास्टर्स 2023 के अंतिम राउंड में काफी उतार चढ़ाव के बीच उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी भारत पर भारी पड़े और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याक़ूबबोएव विजेता बन गए । अंतिम राउंड के पहले सबसे आगे चल रहे भारत के अर्जुन एरिगासी उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ एक लगभग ड्रॉ बाजी में भारी भूल करते हुए अंतिम समय में अपना हाथी गवां बैठे और मैच और ट्रॉफी दोनों से हाथ धो बैठे, इस जीत से अब्दुसाटोरोव 7 अंक पर पहुँच गए वहीं एक अन्य मुक़ाबले में याक़ूबबोएव नें भारत के मुरली कार्तिकेयन को मात देते हुए 7 अंक बना लिए और इसके बाद अब्दुसत्तारोव और याक़ूबबोएव के बीच हुए टाईब्रेक में दोनों क्रमशः दूसरे और पहले स्थान पर रहे । भारत के एसएल नारायनन नें अंतिम राउंड में दिग्गज यूएसए के हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेला और 6.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के साथ तीसरे स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों में 6.5 अंको पर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव , यूएसए के हिकारु नाकामुरा , भारत के अर्जुन एरिगासी , ईरान के परहम मघसूदलू और भारत के डी गुकेश क्रमशः चौथे से आठवे स्थान पर रहे , 6 अंक बनाकर रूस के डेविड परवयन नौवे तो भारत के कार्तिकेयन दसवें स्थान पर रहे । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ओपन टूर्नामेंट में अपना सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए 16वे स्थान पर रहे ।

महिला खिलाड़ियों में भारत की आर वैशाली 5 अंक बनाकर अपना आखिरी ग्रांड मास्टर नार्म लेने में सफल रही साथ ही सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनी , भारत की दिव्या देशमुख महिलाओं मे दूसरे तो कज़ाकिस्तान की अलूया नूरमनोवा तीसरे स्थान पर रही।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद भारतीय टीम को मिलेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में इस बार शानदार शुरुआत करते हुए अपने सभी चारों मैच जीते हैं। इस प्रकार भारतीय टीम अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। टीम इंडिया को अब रविवार को न्यूजीलैंड से खेलना है। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को अगला मैच एक सप्ताह के बाद खेलना है। ऐसे में टीम को आराम दिया जाएगा और खिलाड़ी अपने-घरों को जा सकते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद टीम इंडिया अधिकतर खिलाड़ी घर लौट जाएंगे। वे 2 से 3 दिन के ब्रेक पर रहेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, न्यूजीलैंड मैच के बाद खिलाड़ियों के पास 2 या 3 दिन के ब्रेक पर जाने का विकल्प है क्योंकि 22 अक्टूबर के बाद भारतीय टीम को अपना अगला मैच 29 अक्टूबर को लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ है। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि 2 मैचों के बीच 7 दिन का अंतर होने से खिलाड़ियों के पास अपने परिवार से मिलने का मौका है। सभी खिलाड़ी 26 अक्टूबर तक वापस लखनऊ पहुंच जाएंगे। मैच के 48 घंटे पहले खिलाड़ियों का पहुंचना अनिवार्य है। टीम इंडिया की एकमात्र टीम है, जिसे राउंड रॉबिन के 9 मैच 9 स्थलों पर खेलने हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में वह भी अब इंग्लैंड के खिलाफ मैच से ही वापसी करेंगे। पंड्या की चोट को लेकर कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि यह अधिक गंभीर नहीं है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को होने वाला मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों की टीमों ने इस बार टूर्नामेंट में अब तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। न्यूजीलैंड और भारत दोनों ही टीमों के 4-4 मैच के बाद 8-8 अंक हैं पर कीवी टीम बेहतर नेट रनरेट के कारण अंक तालिका में पहले नंबर पर कायम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

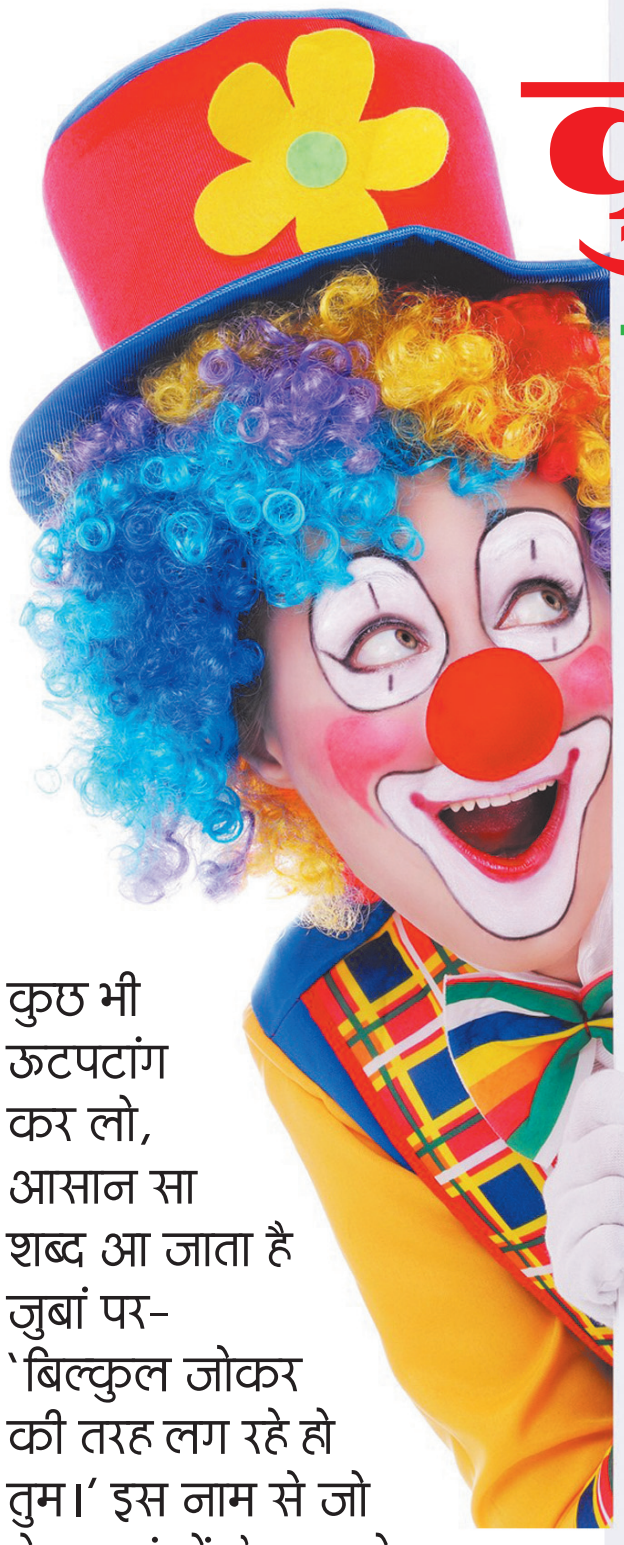

कुछ ऐसी है जोकर की दुनिया

पूरा सप्ताह है जोकर के नाम

बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि न जाने कितने ही दिन हैं, जो किसी न किसी के नाम पर हैं। पर जोकर दिवस है क्या...नहीं, जोकर के लिए एक दिन नहीं पूरा सप्ताह समर्पित है दुनिया में। है ना मजेदार बात! हो भी क्यूं न, वह सबको अपने करतब व वेश-भूषा से हंसाता जो है। तो उसके लिए एक हफ्ते का सेलिब्रेशन तो बनता ही है। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक क्लाउन वीक मनाया जाता है। यहां तक कि इसके बारे में अमेरिकी कानून भी है, जो राष्ट्रपति निक्सन द्वारा 2 अगस्त, वर्ष 1971 में बनाया गया था।

कहां से आया 'क्लाउन' शब्द

अभी दुनिया में करीब 20,000 जोकर हैं। ऐसा माना जाता है कि जोकर, जिसे अंग्रेजी में हम 'क्लाउन' के नाम से जानते हैं, इस शब्द की उत्पत्ति 'क्लूनी' शब्द से हुई, जो आइसलैंड से आया। इसका अर्थ बेडौल या फूहड़ होता है।

मसखरी करना है काम

जोकर का काम है मसखरी करना और दूसरों को हंसाना। पर यह काम इतना भी आसान नहीं। यदि तुम्हें किसी रोते हुए इंसान को हंसाने को बोला जाए तो तुम क्या करोगे- एक मिनट के लिए सोचो। मसखरी करना एक आर्ट है, जिसमें नाटकीयता, कॉमिक सेंस व शारीरिक क्षमता के साथ-साथ ह्यूमन नेचर समझने की शक्ति भी होनी चाहिए, तभी इसमें माहिर हो सकते हो तुम। मतलब, रंगीले व आकर्षक मेकअप से जोकर नहीं, बल्कि हाव-भाव भी ऐसा ही करना होगा। जोकर पर कई फिल्में भी बनी हैं। राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर' में जोकर की भूमिका निभाई थी, जिसमें लोगों को हंसाया था। कभी मौका मिले तो जरूर देखना, तब समझोगे तुम।

प्रसिद्ध रहे ये जोकर

चार्ली चैपलिन भी कुछ ऐसे ही थे और हां, तुम्हारा मिस्टर बीन भी तो कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। साल 1963 में रोनाल्ड मैकडोनाल्ड को पूरी दुनिया में पॉपुलर जोकर माना गया। वो इतने पसंद किए गए कि लाल घुंघराले बाल व लाल बड़े से जूतों के साथ तुम्हारे पसंदीदा मैकडोनाल्ड रेस्तरां के दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। इन्हें आज भी तुम मैक डी के किसी दरवाजे पर पुतले के रूप में देख सकते हो।

कुछ भी ऊटपटांग कर लो, आसान सा शब्द आ जाता है जुबां पर- `बिल्कुल जोकर की तरह लग रहे हो तुम।' इस नाम से जो चेहरा आंखों के सामने उभरता है, वो होता है सफेद रंग से पुता हुआ, नाक पर चिपकी लाल रंग की गेंद, कपड़े रंगीन पर अजीब से, पैरों में बड़े साइज के जूते और हमेशा खुद को मूर्ख साबित करता हुआ, पर हंसाता जोकर।

कैसे बनोगे जोकर

सबसे पहले उन चीजों को जमा करो, जिस तरह के जोकर दिखना चाहते हो। कलाबाजी दिखाने को कुछ बॉल्स, गुब्बारे, कुछ मैजिक ट्रिक्स। और भी कई चीजें, जिनके आधार पर तुम अपने दर्शकों को हंसा सकते हो। इसके बाद बारी आती है तुम्हारे कपड़ों की। इनमें रंगीन पजामा या फनी सी दिखने वाली चीजें होंगी, जो तुम्हें पहननी हैं। इस कॉस्ट्यूम में बड़े और ढीले से जूते होंगे, जो महंगे होते हैं।

इन बड़े दिखने वाले जूतों को पहन करतब कैसे करोगे तुम...तो सुनो, इसके लिए इनमें कुछ रुई या फिर सॉफ्ट टॉवल डाल देना, जिससे तुम्हारे पांव में ये फिट बैठेंगे। अब आता है फेस मेकअप। आमतौर पर मेकअप खुद को आकर्षक व खूबसूरत बनाने के लिए किया जाता है, पर यहां तुम ऐसा नहीं करोगे। इस मेकअप का मतलब है तुम्हें फनी दिखाना। सफेद पेंट से पुता चेहरा काफी पारंपरिक है और जोकर के नाम से ऐसा ही कुछ उभर कर आता है दिमाग में। ये क्लाउन पेंटिंग भी कई तरह के होते हैं, जैसे अगर तुम पागल से साईंटिस्ट दिखना चाहते हो तो कुछ ऐसा मेकअप ही करोगे। खास बात यह कि जोकर कभी अपने चेहरे पर नीला रंग नहीं लगाते, क्योंकि उनका मानना है कि यह रंग अशुभ है। अपने शो को रोचक बनाने के लिए कुछ मैजिक ट्रिक्स भी सीखने होंगे तुम्हें, जो अकसर तुम सर्कस में देखते होगे। पर हां, कुछ हरकतें करने पर सावधानियां भी बरतनी होंगी तुम्हें, जैसे केले के छिलके पर फिसलना, खुद से गिर जाना, अपने साथी के पीछे भागना, पानी से भरी बाल्टी को अपने सिर पर डालना आदि, क्योंकि ऐसे करतब से दुर्घटनाओं की भी आशंका होती है। तुम्हें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि तुम किस तरह के जोकर बनना चाहते हो और किन लोगों के साथ काम करना चाहोगे, क्योंकि इन्हीं आधार पर तुम्हें अपने करतब दिखाने होंगे, जैसे चिल्ड्रंस पार्टी, एडल्ट पार्टी, चिल्ड्रंस हॉस्पिटल या फिर सर्कस। ऑनलाइन क्लाउन ट्रेनिंग ले सकते हो तुम। अगर तुम्हारे पास ये करने का समय नहीं है या फिर तुम्हारे एरिया में ऐसा कोई ट्रेनिंग स्कूल नहीं है तो ऐसी कई सभाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें तुम कुछ ट्रिक्स आसानी से सीख सकते हो। इसके अलावा कुछ पुराने जोकर से कॉन्टैक्ट कर कुछ गुर भी सीख सकते हो।

लाउन सोसाइटी

श्व की सबसे पुरानी क्लाउन सोसाइटी है क्लाउन्स इंटरनेशनल। ह 1947 में स्थापित की गई। साल 2012 में अमेरिका के क्रिकी । अब तक का सबसे पुराना जोकर माना गया, जो 95 वर्ष की उम्र भी काम कर रहे थे। उन्होंने कई इंटरनेशनल अवॉर्ड भी जीते। ी की इस दुनिया में कई प्रसिद्ध जोकर हुए तथा इन्होंने मेकअप करतब आदि के मुताबिक रिकॉर्ड भी बनाए।

ारत में भी मना 'क्लाउन फेस्टिवल'

रत में पहली बार क्लाउन फेस्टिवल वर्ष 2010 में मनाया गया ार तब से यह हर साल मनाया जाने लगा। इस फेस्टिवल में स्टेज आयोजित किए गए, जिनमें जोकरों के कई करतब दिखाए गए।

ट रहे हैं जोकर

ाकरों की घटती संख्या अमेरिका में चिंता का विषय बन गई है। ा पीढ़ियों में घटती लोकप्रियता भी इसका कारण है। वर्ल्ड ाउन एसोसिएशन के अनुसार, 'वर्ष 2004 से अब तक इसकी दस्यता 3,500 से घटकर 2,500 पर आ गई है।' र्डक्लाउन.कॉम एक ऐसी वेबसाइट है, जिस पर जोकर से बंधित सभी तरह की खबरें अपडेट की जाती रहती हैं। तो तुम जब चाहो, इस वेबसाइट पर इस रंगीले कैरेक्टर के बारे में जानकारी सिल कर सकते हो।

ड़े होकर बनूंगा जोकर..

ड़े होकर क्या बनोगे- इस सवाल के जवाब में तुम सब कहोगे, क्टर, इंजीनियर आदि। पर क्या कोई कह सकता है कि मैं बड़ा कर जोकर बनूंगा, नहीं ना! सोच भी नहीं सकते तुम ऐसा। जोकर ा बस हंसी का पात्र समझा जाता है। पर क्या तुम्हें पता है, जोकर ना या कॅरियर की तरह जोकर को अपनाना बुरा नहीं। काफी ेकल काम है यह भी। ट्रेनिंग होती है इनकी भी कभी क्लाउन लिज में एडमिशन की बात सोची है तुमने? रिंगलिंग ब्रदर्स, बार्नम ड बेली सर्कस आदि ऐसी संस्थाएं हैं, जो क्लाउन का कोर्स कराती । और यदि अपने काम से वक्त निकालना मुश्किल है तो अब रनेट पर भी क्लाउन इंस्ट्रक्शन मौजूद हैं। औसतन एक जोकर मेरिका में 38,000 डॉलर के करीब एक साल में कमा लेता है।

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।

शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं।

वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है।

एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

ऐसा पक्षी जो उड़ नहीं सकता

शुतुरमुर्ग एक ऐसा पक्षी है जो दौड़ सकता है पर उड़ नहीं सकता। इसका बदन बहुत भारी होता है। गर्दन लम्बी होती है ऊंट की तरह और पंख बहुत खूबसूरत। इस पर जब मुसीबत आती है तो यह भागता तो है पर अपना मुंह धरती में धंसा कर खड़ा हो जाता है और समझता है कि सुरक्षित हो गया है। शुतुरमुर्ग एक साथ बहुत से अंडे देता है। ये अंडे लगभग एक फिट व्यास के होते हैं। इनके ऊपर की परत बहुत मोटी और मजबूत होती है। इस अंडे को न तो शेर तोड़ पाता है और न लोमड़ी और न भेड़िया। मगर गिद्ध इसे तोड़ लेता है। इसे तोड़ने के लिए वह चोंच या पंजे से प्रहार नहीं करता। जिस प्रकार कभी कौए ने घड़े में से पानी पीने के लिए कंकड़ों का सहारा लिया था, वैसे ही गिद्ध बड़ा सा कंकड़ चोंच में पकड़ कर शुतुरमुर्ग के अंडे पर जोर से मारता है। और एक ही स्थान पर ऐसा बार-बार करता है इससे अंडे की परत में गड्ढा हो जाता है और गिद्ध उस गड्ढे में से अपनी चोंच डालकर अपना पेट भर लेता है। है न आश्चर्यजनक बात।

गाजा संघर्ष पर शांति शिखर सम्मेलन होगा काहिरा में

काहिरा। मिस्त्र की राजधानी काहिरा में संघर्षग्रस्त गाजा पट्टी पर स्थिति पर चर्चा के लिए शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय बैठक होने वाली है। इसमें 31 देशों से अधिक और तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और ग्रीक प्रधान मंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस सहित अन्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष की निरंतर वृद्धि, फिलिस्तीन के भविष्य और शांति प्रक्रिया पर केंद्रित होगा। इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि रूस का प्रतिनिधित्व कौन करेगा? बैठक की शुरुआत मिस्र द्वारा की गई थी, जो ऐतिहासिक रूप से हमास और इज़रायल के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है और बढ़ते संघर्ष को सुलझाने के लिए इसके राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है।

चीन की एक फैक्टरी में विस्फोट, छह लोगों की मौत

बीजिंग। दक्षिण चीन के गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र के पिंगगुओ शहर में एक फैक्टरी में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे फैक्टरी में विस्फोट हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दमकल एवं बचाव कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस हादसे में छह लोगों की जान चली गयी, अन्य चार घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट का कारण उच्च तापमान वाले पिघले एल्यूमीनियम से हुआ, जो एल्यूमीनियम रॉड बनने के बाद प्रक्रिया के दौरान रॉड को कूलिंग पूल में बाहर निकालते समय गैस रिसाव के कारण हुआ था। इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

ब्रिटेन में इस्लाम के खिलाफ बढ़ी नफरत, यहूदियों का भी बुरा हाल

लंदन । ब्रिटेन में जहां इस्लाम के खिलाफ नफरत बढ़ती दिखाई दे रही है, वहीं यहूदियों का भी बुरा हाल है। बता दें कि पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच शुरू हुए संघर्ष का असर दुनिया के बाकी हिस्सों पर भी देखने को मिल रहा है। मुस्लिमों के खिलाफ लोगों की खूब नफरत बढ़ी है। वहीं, यहूदियों को लेकर भी यही हाल है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हाल ही में यहूदी विरोधी और इस्लाम के खिलाफ घृणा और उसके कारण होने वाले अपराधों में वृद्धि देखी गई है। स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन महानगर पुलिस) के शुक्रवार को सामने आए आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, एक से 18 अक्टूबर के बीच 218 यहूदी विरोधी अपराध हुए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में मात्र 15 अपराध हुए थे। आंकड़ों में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान, 'इस्लामोफोबिक' (मुस्लिमों के खिलाफ) अपराधों की संख्या इसी अवधि में पिछले साल के मुकाबले 42 से बढ़कर 101 हो गई। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार दोनों समुदायों के खिलाफ घृणा अपराध में क्रमशः 1,353 प्रतिशत और 140 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

संरा प्रमुख ने गाजावासियों के लिए मानवीय सहायता का किया आग्रह

यरूशलम। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को राफा सीमा के मिस्र क्षेत्र की यात्रा के दौरान गाजा को तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने की अपील की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह लाखों गाज़ावासियों के लिए जीवन और मृत्यु का मामला है। इजरायल द्वारा अनुमति नहीं दिये जाने के कारण राफा क्रॉसिंग पर मानवीय सहायता, चिकित्सा आपूर्ति, भोजन और कंबल से भरे लगभग 175 ट्रक गाजा में प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि मानवीय सहायता गाजावासियों के लिए 'जीवन या मौत' का प्रशन है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, 'हमें निश्चित रूप से इन ट्रकों को जितनी जल्दी संभव हो और जितनी आवश्यक हो उतनी संख्या में ले जाने की आवश्यकता है,।' उन्होंने कहा कि 'गाजा में हर दिन ट्रकों के प्रवेश की आवश्यकता है ताकि गाजा के लोगों को पर्याप्त सहायता प्रदान की जा सके।' संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इससे पहले दिन में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के प्रवक्ता जेन्स लार्के ने कहा कि संबंधित पक्ष सहायता अभियान के तौर-तरीकों पर एक समझौते के करीब हैं और पहली डिलीवरी आने वाले दिनों में शुरू होने वाली है।

अमेरिका ने पाक को बैलिस्टिक मिसाइलों के पुर्जों की आपूर्ति करने वाली चीनी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए मिसाइलों से जुड़े उपकरणों की आपूर्ति करने के वास्ते तीन चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि ये प्रतिबंध वैश्विक अप्रसार व्यवस्था के तहत लगाए गए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा,'आज, हम कार्यकारी आदेश 13382 के अनुसार तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसारकों और उनके वितरण से जुड़ी हैं। यह तीनों कंपनियां चीन की हैं और इन्होंने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के मिसाइल से जुड़े पुर्जों एवं उपकरणों की आपूर्ति की है।' पाकिस्तान का चीन सदाबहार सहयोगी है जो इस्लामाबाद के सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। यह तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और चांगझौ यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड हैं। यह प्रतिबंध पाकिस्तान के अबाबील बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली के प्रक्षेपण के कुछ दिनों बाद लगाए गए हैं।

पाकिस्तान में मसूद अजहर का करीबी आतंकवादी दाऊद मलिक मारा गया

इस्लामाबाद। वैश्विक आतंकवादी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' सरगना मसूद अजहर का बेहद करीबी गुर्गा दाऊद मलिक भी आखिरकार मारा गया। वह 'जैश-ए-मोहम्मद' के अलावा लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी से भी जुड़ा था। पाकिस्तान की पुलिस ने माना है कि शुक्रवार सुबह उत्तरी वजीरिस्तान में आदिवासी जिले के मिराली इलाके में अज्ञात नकाबपोशों के लक्षित हमले में दाऊद मलिक ढेर हो गया। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। पुलिस ने बताया कि दाऊद मलिक को एक निजी क्लीनिक में सशस्त्र नकाबपोश लोगों ने निशाना बनाया, जो उसकी हत्या कर भागने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि मसूद अजहर, हाफिज सईद, लखवी और दाऊद इब्राहिम आदि की भारत को लंबे समय से तलाश है। भारत सरकार इन सबको आतंकी घोषित कर चुकी है। इन वांछितों में पठानकोट हमले का मास्टर माइंड शाहिद लतीफ पहले ही पाकिस्तान में मारा जा चुका है। इसके अलावा आईएसआई एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज को भी पाकिस्तान में ढेर किया जा चुका है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की बालाकोट एयर स्ट्राइक में दाऊद मलिक बच गया था। पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना ने बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की थी। उस वक्त दाऊद मलिक की वहां पर उपस्थिति बताई जाती है। मलिक आईएसआई की हिफाजत में रहता था। आईएसआई एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज को बलूचिस्तान में गोली मारी गई थी। बाहौर के बारे में कहा जाता है कि उसने ही ईरान से भारतीय कुलभूषण जाधव को अगवा कर आईएसआई के हवाले किया था। जाधव को पाकिस्तान की कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ भारत ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दस्तक दी थी। वहां से कुलभूषण की मौत की सजा पर रोक लगाई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पिछले माह लश्कर ए तैयबा प्रमुख हाफिज सईद के करीबी अबु कासिम को भी रावलकोट में गोली मारकर उड़ा दिया गया। खालिस्तान कमांडो फोर्स का दुर्दांत आतंकी और भारत में मोस्ट वॉन्टेड परमजीत सिंह पंजवड़ की भी पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या की जा चुकी है। पाकिस्तान में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी बशीर मीर उर्फ इम्तियाज आलम और जैश के खूंखार आतंकी जहूर मिस्त्री भी मारे जा चुके हैं। जहूर मिस्त्री कंधार विमान अपहरण कांड में शामिल था।

4 साल बाद नवाज शरीफ लौटे पाक, हुआ जोरदार स्वागत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 4 सालों के बाद अपने वतन लौट आए हैं! शरीफ के इस्लामाबाद पहुंचने पर उनके स्वागत में पूर्व कानून मंत्री आजम तरार और पीएमएल-एन के अनेक बड़े नेता मौजूद थे! पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ के पाकिस्तान पहुंचने पर जहां एक तरफ स्वागत हुआ तो वहीं विरोधियों ने उनके जख्मों को कुरेदना भी शुरु कर दिया! दरअसल नवाज शरीफ को 2018 में अदालत ने चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया था। इसके बाद 2019 में अदालत ने उनको जेल से ही इलाज के लिए विदेश की मंजूरी दी थी। इसके बाद गिरफ्तारी का वह डर ही था जिस कारण शरीफ पाकिस्तान से बाहर ही रहे! गौरतलब है कि उनकी वतन वापसी कोर्ट से गिरफ्तारी पर राहत मिलने के बाद हुई है, इसलिए लोग इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान को भी दोहरा रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि शरीफ एक बार जरुर वतन लौटेंगे, लेकिन तभी वो आएंगे जबकि उन्हें यह तय हो जाएगा कि उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी!

पाकिस्तान आने से पहले शरीफ ने दुबई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि वह सब कुछ अल्लाह पर छोड़ रहे हैं और अपने वतन वापस जा रहे हैं! यहां शरीफ ने पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर भी चिंता जाहिर की!

उन्होंने पाकिस्तान के हालात को 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ा हुआ बताया है! उन्होंने आशा व्यक्त की कि अब देश के हालात सुधरेंगे! अब नवाज शरीफ 73 साल के हो चुके हैं और उनकी गिनती पाकिस्तान के सीनियर नेताओं में की जाती है! ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान के अगले आम चुनाव में एक बार फिर नवाज शरीफ पार्टी को लीड करते नजर आएंगे! वैसे नवाज शरीफ और उनके भाई शाहबाज शरीफ दोनों ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे हैं, ऐसे में पार्टी के सामने नेता की कोई कमी महसूस होने वाली नहीं है! बहरहाल शरीफ के पाकिस्तान पहुंचने पर उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया!

हमास का हमला इजरायल को सामान्य बनाने को बाधित करने के लिए : बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि सऊदी अरब और इजरायल के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के अमेरिका के प्रयासों को जानबूझकर बाधित करने के लिए हमास ने इस महीने की शुरुआत में इजरायल के खिलाफ हमले किए थे। व्हाइट हाउस प्रेस पूल ने शनिवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस प्रेस पूल की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्री बाइडेन ने शुक्रवार को कहा, 'हमास के इजरायल की ओर बढ़ने के कारणों में से एक यह है कि वे जानते थे कि मैं सउदी के साथ बैठने वाला था। सउदी लोग इसरायल को मान्यता देना चाहते हैं।' इस सप्ताह की शुरुआत में श्री बाइडेन ने कहा था कि इजरायल और सऊदी अरब के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया समाप्त नहीं हुई है लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। श्री बाइडेन के अनुसार, सउदी, अमीराती (संयुक्त अरब अमीरात) और अन्य अरब राष्ट्र समझते हैं कि इजरायल के साथ संबंध सामान्य होने पर उनकी सुरक्षा तथा स्थिरता बढ़ जाती है। गौरतलब है कि गत सात अक्टूबर को हमास-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद सऊदी अरब ने कथित तौर पर सामान्यीकरण वार्ता समाप्त कर दी। श्री बाइडेन ने हालांकि इस बात पर जोर देकर कहा है कि एक समझौता अभी भी संभव है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ रविवार की बैठक के दौरान हमास के हमलों के लिए इजरायल की जवाबी कार्रवाई पर लगाम लगाने और उसके सैन्य अभियानों तथा गाजा नागरिक आबादी पर घेराबंदी को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अमेरिका ने तबाह करवाया था गाजा का अस्पताल? रूस ने किया बड़ा दावा

मास्को (एजेंसी)। इजरायल हमास युद्ध के बीच अमेरिका और रूस के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गई है। पहले तो अमेरिका की तरफ से पुतिन की तुलना हमास से कर दी गई। अब रूस ने गाजा के अस्पताल में हुए विस्फोट के पीछे अमेरिका का हाथ होने की आशंका जताई है। रूसी संसद के एक सदस्य ने कहा कि गाजा सिटी अस्पताल में हुए घातक विस्फोट के पीछे संयुक्त राज्य अमेरिका का हाथ हो सकता है। ड्यूमा सदस्य एंड्री गुरुल्योव ने क्रेमलिन द्वारा संचालित टेलीविजन चैनल रूस-1 पर एक उपस्थिति के दौरान बिना कोई सबूत पेश किए आरोप लगाया। अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल में हुए विस्फोट के लिए इज़राइल और हमास ने एक दूसरे पर दोषारोपण किया है।

एंड्री गुरुल्योव ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि एक निर्देशित बम वहां गिरा। इससे भी अधिक, यहां एक बारीकियां है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों का जिक्र करते हुए कहा कि आज एक अमेरिकी विमान वाहक समूह ने इजरायल के तट पर संपर्क किया। जिन्हें इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद पूर्वी भूमध्य सागर में तैनात किया गया था। एंड्री गुरुल्योव ने आगे कहा कि गोली चलाने का आदेश इज़रायली क्षेत्र पर एक स्थिर कमांड सेंटर से या विमान वाहक पोत पर एक जहाज-आधारित नियंत्रण केंद्र से आ सकता था।

गाजा के एक अस्पताल में हुए भीषण विस्फोट में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। इस अस्पताल में पहले से घायल मरीजों की भरमार थी और अन्य फलस्तीनी नागरिक भी यहां शरण लिए हुए थे। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमास ने इसे इजराइल का हवाई हमला बताया जबकि इजराइल की सेना ने आरोप लगाया कि फलस्तीनी आतंकवादियों द्वारा दागे गए रॉकेट के निशाना चूकने से यह विस्फोट हुआ। मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 500 लोग मारे गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सिंगापुर के गृह मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

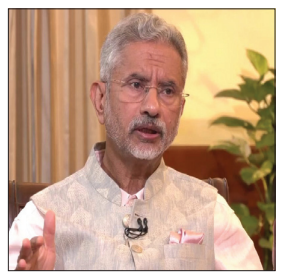

सिंगापुर, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से शनिवार को मुलाकात की और उनके साथ क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम और द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर दक्षिण पूर्व एशिया की अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सिंगापुर पहुंचे। वह वियतनाम की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के बाद यहां आये हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज, गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इस बीच क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई।' विदेश मंत्री की षणमुगम के साथ मुलाकात सिंगापुर के उनके समकक्ष विवियन बालकृष्णन, उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, व्यापार एवं उद्योग मंत्री गैन किम योंग और वरिष्ठ मंत्री टेयो ची हीन से मुलाकात के एक दिन बाद हुई। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन से बातचीत की और यहां भारत के आसियान तथा पूर्वी एशिया के राजदूतों के क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि जयशंकर की यात्रा सिंगापुर और भारत के बीच घनिष्ठ और दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करती है जो रणनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर बने हैं।

इजराइल में पुलिस वर्दी बनाने वाली भारतीय कंपनी का बड़ा ऐलान, जंग खत्म होने तक नहीं लेंगे कोई ऑर्डर

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में दोनों तरफ के 6000 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं।ऐसे में इजरायल पुलिस के लिए वर्दी बनाने वाली केरल की एक कंपनी ने ऐलान किया कि जब तक जंग नहीं रुकती वे कोई नया ऑर्डर नहीं लेंगे।कंपनी ने यह फैसला फिलस्तीन के अस्पतालों में हुए कथित हमले के बाद लिया, जिसे मानवीय आधार से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी अनुसार केरल के कन्नूर स्थित मैरीन अपैरल प्राइवेट लिमिटेड ने इजराइल और हमास के बीच जारी जंग को देखते हुए कहा है कि जब तक यह लड़ाई रुकती नहीं है, तब तक वह इजरायल पुलिस से कोई नया ऑर्डर नहीं लेगी।कंपनी के अध्यक्ष थॉमस ओलिकल का कहना है कि कंपनी ने फैसला किया है कि जब तक गाजा में युद्ध बंद नहीं होता तब तक वह इजरायल पुलिस बल से कोई नया ऑर्डर नहीं लेंगे। आपको बता दें कि कंपनी, इजरायल पुलिस की हल्के नीले, लंबी आस्तीन वाली वर्दी बनाती है।थॉमस ओलिकल ने बताया कि कंपनी साल 2015 से पुलिस के लिए वर्दी बनाने का काम कर रही है, लेकिन जिस तरह से हमास और इजरायल की लड़ाई में निर्दोष लोगों की हत्या की जा रही है, वह किसी तरह स्वीकार्य नहीं है।उन्होंने कहा कि, 25 लाख लोगों को भोजन और पानी नहीं देना, अस्पतालों पर बमबारी करना और निर्दोष महिलाओं व बच्चों को जान से मार देना बर्दाश्त के बाहर की बात है।थॉमस ओलिकल ने कहा कि कंपनी चाहती है कि यह जंग खत्म हो और फिर से शांति बहाल हो।ओलिकल का कहना है कि यह एक नैतिक आधार पर लिया गया फैसला है और पुलिस को किसी तरह से वर्दी की कमी नहीं होगी, क्योंकि पहले से जो ऑर्डर है उसे तो कंपनी पूरा करेगी ही और लड़ाई बंद होने तक कोई नया ऑर्डर नहीं लिया जाएगा।कंपनी महज इजराइल के लिए ही नहीं बल्कि अन्य अनेक देशों के लिए भी ड्रेस और स्कूल यूनिफार्म बनाती है, जिसे लोग खासा पसंद करते हैं।

इज़राइल के खिलाफ हमलों के लिए भारी कीमत चुकाएगा हिजबुल्लाह, इसराइल के रक्षा मंत्री की दो टूक

तेल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने शनिवार को कहा कि लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने लड़ाई में भाग लेने का फैसला किया है और वह इज़राइल के खिलाफ अपने हमलों के लिए भारी कीमत चुकाएगा। टाइम्स ऑफ इज़राइल ने योव गैलेंट के हवाले से कहा कि हिजबुल्लाह ने लड़ाई में भाग लेने का फैसला किया है, हम इसकी भारी कीमत वसूल रहे हैं। आतंकवादी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने और इजराइल द्वारा गाजा पर भीषण हवाई हमलों का जवाब देने के बाद से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इजराइल लगभग रोजाना सीमा पर गोलीबारी कर रहे हैं।

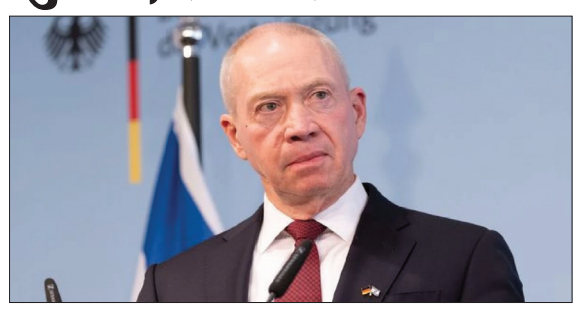

2006 में हिज़्बुल्लाह और इज़राइल के युद्ध के बाद से सीमा पर यह लड़ाई सबसे घातक रही है। 15 अक्टूबर को इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा कि इजराइल को अपने उत्तरी मोर्चे पर युद्ध छेड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है और अगर हिजबुल्लाह खुद को रोकेगा तो इजराइल भी सीमा पर स्थिति को वैसे ही बनाए रखेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी थी, जो हिजबुल्लाह और आतंकवादी समूह हमास का समर्थन करता है।

हिजबुल्लाह के अधिकारी हाशेम सफीद्दीन ने हजारों समर्थकों के सामने एक भाषण में यह कहकर प्रतिक्रिया दी थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और दुर्भावनापूर्ण यूरोपीय सावधान रहना चाहिए। हमास के शुरुआती हमले में लगभग 1,400 इजरायली मारे गए, जो राज्य के 75 साल के इतिहास में सबसे खूनी एक दिन था। इज़रायली हमलों में कम से कम 3,800 फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं। दोनों पक्षों के मृतकों में अधिकांश नागरिक थे।

अमेरिकी प्रशासन विदेशी छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करें : भारतीय प्रवासी निकाय

वाशिंगटन। स्नातक कर रहे छात्रों और उपलब्ध एच1बी वीजा के बीच बहुत अधिक अंतराल बताते हुए एक भारतीय प्रवासी समुदाय निकाय ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन से विदेशी छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम में बदलाव करने का आग्रह किया है। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिकी गृह मंत्री एलेजांद्रो मयोरकास को लिखे एक पत्र में कहा कि इस अंतराल के कारण भारतीय छात्र अमेरिकी उद्योग में योगदान करने के अवसर से चूक रहे हैं। एफआईआईडीएस द्वारा सुझाए गए कई बदलावों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियान्त्रिकी और गणित (एसटीईएम) के विषयों में डिग्री वाले पात्र छात्रों के लिए एसटीईएम ओपीटी की अवधि को 24 महीने से बढ़ाकर 48 महीने करना, ओपीटी स्नातकोत्तर में आवेदन करने की अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करना और एसटीईएम डिग्री धारकों को गैर-एसटीईएम डिग्री धारकों की तुलना में एच1बी वीजा लॉटरी में चुने जाने के छह गुना अधिक अवसर प्रदान करना है।

युद्ध से अचानक भागे मुस्लिम देश? चप्पे-चप्पे में फैले अमेरिकी कमांडो

जिनेवा (एजेंसी)। इस वक्त दुनिया में दो बड़े युद्ध हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दो महाशक्तियों के बीच भी टकराव देखने को मिल रहा है। गाजा युद्ध पिछले दो हफ्तों से दुनिया के लिए तनाव तकी वजह बना हुआ है तो वहीं पिछले दो साल से यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव डाल रहा है। अमेरिका रूस के राष्ट्रपति पुतिन की तुलना हमास से कर रहा है तो वहीं रूसी राष्ट्रपति चीन के साथ मिलकर गाजा पट्टी को लेकर नई रणनीति बना रहे हैं। गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ सभी मुस्लिम देश एकजुट हैं। लेकिन जब बात गाजा के लोगों को शरण देने की उठती है तो एक भी मुस्लिम देश आगे नहीं आते हैं। गाजा से सटी सीमा वाले मिस्र ने साफ कर दिया है कि वो एक भी शर्णार्थी को अपने देश में घुसने नहीं देगा। कुछ ऐसा ही बयान इजरायल के पड़ोसी देश जॉर्डन ने भी दिया है जिसकी सीमा वेस्ट बैंक से सटी है।

वहीं इजरायल के हमलों से बेहाल हजारों गाजा निवासी मदद की आस लिए मिस्र से सटे बॉर्डर पर जमा हो रहे हैं। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद भी मिस्र से गाजा को जोड़ने वाले राफा बॉर्डर क्रॉसिंग लोगों के लिए नहीं खुल पाया है। मिस्र के राष्ट्रपति फतह अल सिसि ने आशंका जताई है कि शरणार्थियों की आड़ लेकर हमास के आतंकी भी उनके मुल्क में घुस जाएंगे। मिस्र को ये भी डर है कि जहां भी हमास के आतंकी पहुंचेंगे वहां इजरायल हमले कर सकता है। ईरान, इराक, तुर्की और कतर समेत मिडिल ईस्ट के तमाम देश फिलिस्तीन के समर्थन और इजरायल के विरूद्ध बयानबाजी तो कर रहे हैं। लेकिन कोई भी देश गाजा के शरणार्थियों की समस्या पर अपना मुंह नहीं खोल रहा है।

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट के कई देशों में अपने सैनिकों की तैनाती कर दी है। इराक में अमेरिका के 2500 सैनिक जबकि सीरिया में 900, तुर्की में 2500, जॉर्डन में 3000, कुवैत में 13000, बहरीन में 7000, कतर में 13000, सऊदी अरब में 3000, यूएई में 5000 और ओमान में 600 सैनिक हैं। अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच जुबानी जंग के बीच चीन मौके का फायदा उठाने से नहीं चूक रहा है। अमेरिका रक्षा विभाग के रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आंख में धूल झोंकते हुए चीन अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है।

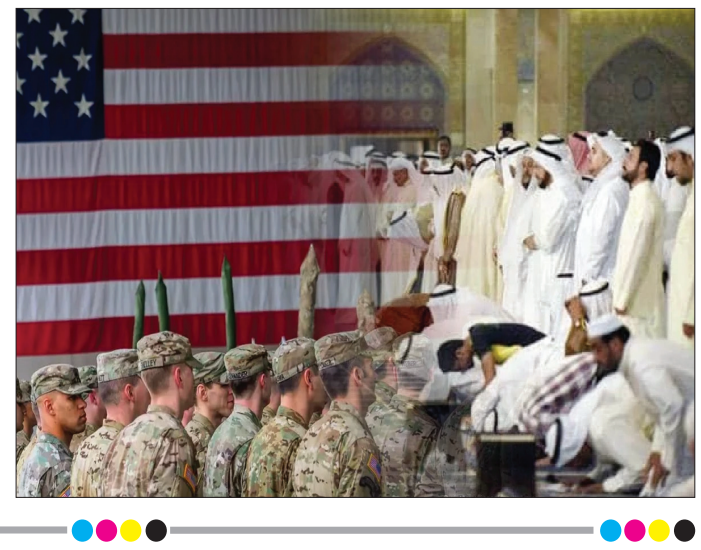

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में अब आसान नहीं असला लाइसैंस लेना

जालंधर। पहले जितनी आसानी से असला रखने का लाइसेंस लोगों को मिल जाता था, अब पुलिस के सख्त होने के बाद वह मिलना टेढ़ी खीर लग रहा है! असल में अब पुलिस न सिर्फ आवेदनकर्ता के दस्तावेज खंगालेगी बल्कि उसके कामकाज को भी जांच के दायरे में लेगी और सही मिलने पर ही असला लाइसेंस मुहैया कराया जाएगा। इस तरह जालंधर पुलिस ने असला रखने के शौकीन लोगों पर एक तरह से शिकंजा कसना शुरू किया है! पहले असला लाइसैंस बनवाने वाले असला ब्रांच से आवेदन फॉर्म लेकर अपने सभी दस्तावेज लगाकर और सिफारिश लगा देते थे, जिसके बाद उन्हें लाइसेंस मिल जाता था! अब ऐसा इसमें थोड़ा बदलाव किया गया है और बताया गया है कि पुलिस दस्तावेज के साथ आवेदनकर्ता का काम-काज भी देखेगी ताकि असलियत मालूम चल सके! पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चहल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं! उनके आदेशानुसार पुलिस असला धारक की जांच के पीछे उसके काम की भी जांच करेगी। पुलिस जांच में पता चला है कि ऐसे अनेक लोग हैं जो असला लाइसेंस रखने के लिए अपने छोटे से कारोबार को भी बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं जबकि या तो उनका काम छोटा होता है या हकीकत में वे उक्त काम को करते ही नहीं हैं! पुलिस का कहना है कि अब असला मालिक के घर के अलावा उसके कामकाज की भी गंभीरता से जांच की जाएगी, जिसके बाद उसके इनकम टैक्स की रिर्टन को भी देखा जाएगा! वार्षिक आय और टर्नओवर की भी जांच की जाएगी, इसके बाद उक्त आवेदनकर्ता को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए भी बुलाया जाएगा। इसके बाद पुलिस कमिश्नरेट तय करेगा कि व्यक्ति असला रखने की पात्रता रखता है या नहीं! इस आधार पर अनेक आवेदनकर्ताओं के आवेदन रद्ध भी किये जा चुके हैं! इसलिए कहा जा रहा है कि पंजाब में असला लाइसेंस लेना अब टेढ़ी खीर हो गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के बारे में 'अपमानजनक' पोस्ट को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के सोशल मीडिया हैंडल से किए गए 'अपमानजनक' पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भाजपा की कर्नाटक इकाई के सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'प्राप्त शिकायत के आधार पर, हमने हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (उकसाने वाले बयान) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच जारी है।' पुलिस ने कहा कि मामले के संबंध में तुमकुरु जिले के निवासी श्रीनिवासमूर्ति नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने हालांकि उस व्यक्ति के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी क्योंकि इससे जांच में बाधा पैदा हो सकती है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सूर्य मुकुंदराज ने शुक्रवार को कहा था कि भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल से बताया गया है कि कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में हाल के छापेमारी में आयकर विभाग ने जो 94 करोड़ रुपये की नकदी और आठ करोड़ रुपये की कीमती चीजें जब्त की हैं, वे कांग्रेस की हैं। उन्होंने शिकायत की कि भाजपा ने लोगों के बीच भ्रम पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की तस्वीरों से छेड़छाड़ की है और उन्हें गलत तरीके से पेश किया। कांग्रेस नेता ने शिकायत में कहा था, 'आयकर विभाग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहीं नहीं कहा कि उसके द्वारा जब्त की गई नकदी मंत्रियों या किसी विशिष्ट व्यक्ति की है। जांच पूरी होने से पहले ही, भाजपा ने लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से झूठ फैलाना शुरू कर दिया।'

अमेरिकी नागरिक से धोखाधड़ी के आरोपी की 9.3 लाख डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी जब्त

नई दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखाधड़ी के एक मामले में अहमदाबाद के एक व्यक्ति से 9,30,000 डॉलर (लगभग 7.7 करोड़ रुपये) से अधिक मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी रामावत शैशव ने कथित तौर पर खुद को ऑनलाइन विक्रेता कंपनी अमेजन के धोखाधड़ी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पेश करके एक अमेरिकी नागरिक को अपने जाल में फंसाया था। अमेरिकी जांच एजेंसी 'संघीय जांच ब्यूरो' (एफबीआई) से मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई ने शैशव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान सीबीआई को शैशव के ई-वॉलेट में 28 बिटकॉइन, 22 इथेरियम, 25,572 रिपल और 77 यूएसडीटी मिले। उन्होंने बताया कि इन क्रिप्टोकरेंसी को जब्ती के समय सरकार के वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित को आश्वस्त किया था कि उसके अमेजन खाते में सेंध लगाने की कुछ लोग कोशिश कर रहे हैं जिससे उसके अमेजन खाते की सुरक्षा को खतरा है। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा, 'आरोपी ने पीड़ित को अपने बैंक खातों से नकदी निकालने और उसे रॉकिटकॉइन एटीएम वॉलेट में बिटकॉइन में जमा करने के लिए प्रेरित किया तथा पीड़ित के साथ एक क्यूआर कोड भी साझा किया।' प्रवक्ता ने बताया कि पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए शैशव ने 20 सितंबर, 2022 को एक फर्जी ई-मेल भेजकर यह दावा किया कि यह मेल अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग द्वारा जारी किया गया था।

झूठे मामलों के आगे नहीं झुकेंगे चंद्रबाबू नायडू, पिता की गिरफ्तारी पर बोले नारा लोकेश

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव और चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के मंगलागिरी में टीडीपी के केंद्रीय कार्यालय में एक पार्टी बैठक के दौरान एक भावनात्मक संबोधन में कहा कि टीडीपी प्रमुख अपने खिलाफ दायर झूठे मामलों के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने भावुक लहजे में अपने संबोधन में कहा कि 'चंद्रबाबू नायडू वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार द्वारा उनके खिलाफ दायर किए गए झूठे मामलों के सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा कि टीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया था। नारा भुवनेश्वरी (चंद्रबाबू नायडू की पत्नी) और नारा ब्राह्मणी (लोकेश की पत्नी) का अपमान किया गया। चंद्रबाबू नायडू को एक निस्वार्थ सेवक, जिन्होंने लोगों को 45 साल समर्पित किए बताते हुए लोकेश ने आगे कहा कि अब वह पिछले 43 दिनों से राजमुंदरी सेंट्रल जेल में अन्यायपूर्ण तरीके से कैद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी राज्य के मुद्दों के संबंध में आंध्र प्रदेश की वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर सवाल उठाने के परिणामस्वरूप हुई। उन्होंने आगे कहा कि जब वह जेल में चंद्रबाबू नायडू से मिले तो उन्होंने ईमानदारी, ईमानदारी और साहस देखा। बैठक में लोकेश ने आरोप लगाया कि राज्य में 157 लोग 卐इसलिए मर गए क्योंकि वे एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को सहन नहीं कर सके卐 क्योंकि उन्होंने उनके परिवारों को टीडीपी की ओर से पूरा समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।

सवाल के लिए रिश्वत विवाद : भाजपा ने तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को बर्खास्त करने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत लेने के आरोपों को लेकर शुक्रवार को महुआ मोइत्रा पर हमला तेज करते हुए मांग रखी कि या तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता को सांसद पद छोड़ देना चाहिए या फिर टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को उन्हें 'बर्खास्त' कर देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मोइत्रा के खिलाफ आरोप 'संसदीय प्रणाली को पूर्ण रूप से संकट में डालने' की ओर इशारा करते हैं। वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मामले के घटनाक्रम पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का ध्यान आकर्षित करने की मांग की और जोर देकर कहा कि 'इस पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।' टीएमसी ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

अपराधियों में कानून का भय पैदा करना सर्वोच्च प्राथमिकता: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस राज्य में कानून का राज स्थापित करने में सफल रही है। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड की सलामी लेने के बाद श्री योगी ने कहा कि कर्तव्य की बेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार के साथ सरकार हर समय तैयार खड़ी है और उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। पुलिस ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मान कर प्रदेश में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त रखा है।

उन्होने कहा कि एक नवंबर 2022 से 30 सितंबर 2023 के बीच कर्तव्य पालन के दौरान शहीद पुलिस कर्मियों के साथ केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों, अन्य प्रदेश के अर्ध सैन्य बलों, भारतीय सेना में कार्यरत एवं मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले 140 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 38 करोड़ 96 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गयी है। श्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस बल के विभिन्न पदों पर एक लाख 51 हजार 985 भर्ती की गई, जिनमें से 22044 से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस विभाग के विभिन्न विभिन्न पदों पर एक लाख 34 हजार 235 कार्मिकों को पदोन्नति भी प्रदान की गई। साथ ही 65 हजार 389 पदों पर भर्ती प्रक्रिया और 11 हजार 885 पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में प्रदेश पुलिस बल के बजट में दोगने से अधिक की वृद्धि की गई है। पुलिस बल को अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई। वित्तीय वर्ष 2017-18 में इस कार्य के लिए दो करोड़ 81 लाख 82 हजार रुपए आवंटित किए गए जबकि वर्ष 22-23 में 122 करोड़ 50 लाख रुपए पुलिस आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए।

पुलिस बल की क्रियाशीलता एवं प्रभाव में वृद्धि के लिए विभिन्न जिलों में 39 नये थाने, एक महिला थाना, छह नारकोटिकस थाना, 36 पुलिस चौकियां एवं एक जल पुलिस चौकी की स्वीकृति भी प्रदान की गई। सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस के नीति है। इसके तहत विभिन्न जिलों में मार्च-17 से सितंबर-23 तक 190 दुर्दांत अपराधी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। इस कार्रवाई में 5191 अपराधी घायल हुए, वहीं पुलिस बल के 16 जवान शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। कार्रवाई में 1478 पुलिस कर्मी घायल भी हुए।

उन्होने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के प्रति कड़ा शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 69332 तथा एनएसए में 887 अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रदेश के चिन्हित माफिया के 44 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 20 माफिया तथा उनके 38 सह अपराधी समेत कुल 58 को आजीवन कारावास के साथ अर्थ दंड की सजा कराई गई। इनमें दो को फांसी भी हुई। वहीं 68 कुख्यात माफिया और अपराधियों के साथ बैंक के सदस्यों द्वारा अवैध कृतियों में अर्जित संपत्ति 36,50 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी विजय कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बंगाल पहुंचे जेपी नड्डा ने दुर्गापूजा पंडाल में की पूजा-अर्चना

कोलकाता। देवी दुर्गा की भव्य आराधना में डूबे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शनिवार को पहुंचे। कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरे नड्डा का पारंपरिक ढाक की थाप पर स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से वे हावड़ा के एक पूजा पंडाल में पहुंचे। उन्होंने पार्टी नेताओं सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की आरती की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग दुनिया को एक दृष्टिकोण देने में सबसे आगे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस भूमि में अच्छी शक्तियों को और अधिक ताकत मिले ताकि समाज का मंगल हो, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सफल कर सके। यहां से वे न्यू मार्केट सर्वजनिन और शोभा बाजार दुर्गा पूजा मंडप में भी पहुंचे। प्रदेश भाजपा की ओर से बताया गया है कि जनसंपर्क के तहत पार्टी अध्यक्ष अभी सूबे में कई अन्य दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा करने वाले हैं।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग करते हुए भाजपा पर बरसे उमर अब्दुल्ला, कहा- दफन हो रहा लोकतंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दल लगातार केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर उनके निशाने पर भाजपा है। आज एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि लोग पीड़ित हैं क्योंकि उन्हें निर्वाचित सरकार के उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनता का गुस्सा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब हमें लगभग हर रोज बताया जाता है कि स्थिति में काफी सुधार हुआ है। यह सामान्य के करीब है... मेरा मानना ??है कि, दुर्भाग्य से, जम्मू और कश्मीर वह जगह है जहां भारत में लोकतंत्र दफन होने जा रहा है।

इस बीच जम्मू-कश्मीर में चुनाव के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने भी कहा कि हमने हर जगह यही मांग की है कि चुनाव यहां जरूरी हैं...विधानसभा के चुनाव होने चाहिए। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने स्मार्ट मीटर की स्थापना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग हर चीज़ लोगों को बाहर आने के लिए उकसाती है क्योंकि 5 अगस्त, 2019 के बाद जिस तरह से चीजें हुई हैं, उसे लेकर एक तरह का आक्रोश है। और यह कश्मीर की तुलना में जम्मू में अधिक दिखाई देता है।

पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेश - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख - बनाए गए।अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव न कराने का एक कारण यह भी है कि बीजेपी को डर है कि उसे अनुकूल नतीजे नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं केवल अनुमान लगा सकता हूं लेकिन एकमात्र निष्कर्ष जो मैं निकाल सकता हूं वह यह है कि भाजपा डरी हुई है कि नतीजे क्या होंगे। वे संसदीय चुनाव में अपनी संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। अब्दुल्ला ने केंद्र से कहा कि 'यह कहने का साहस रखें कि स्थिति 2019 से पहले की तुलना में बदतर है'।

अमित शाह ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान के सफल प्रक्षेपण की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान के सफल प्रक्षेपण की शनिवार को सराहना की और कहा कि इसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की एक और उल्लेखनीय यात्रा की पटकथा लिखी है। 'क्रू मॉड्यूल' (जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे) एवं 'क्रू एस्केप' (चालकदल बचाव प्रणाली) से लैस एकल चरण तरल प्रणोदन रॉकेट को शनिवार को श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया। तय योजना के अनुसार पेलोड बाद में समुद्र में सुरक्षित तरीके से गिर गए और मिशन नियंत्रण केंद्र में सांसें थाम कर बैठे वैज्ञानिकों ने तालियां बजाकर इस कामयाबी का जश्न मनाया। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'चंद्रयान तीन के सफल प्रक्षेपण के बाद हमारा देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। आज इसरो ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान का प्रक्षेपण कर अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय यात्रा की पटकथा लिखी।' उन्होंने कहा, 'मैं सफलता के इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमारे वैज्ञानिकों और हमारे नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं।' भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस प्रक्षेपण के जरिये मानव को अंतरिक्ष में भेजने के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'गगनयान' की दिशा में आगे कदम बढ़ाया।

बीजेपी नेता नितेश राणे का सनसनीखेज बयान, सुशांत सिंह केस में फंसे आदित्य ठाकरे छोड़ सकते हैं देश

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी नेता और विधायक नितेश राणे ने आदित्य ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा है कि दशहरा के बाद वह देश छोड़कर चले जाएंगे। एएनआई के मुताबिक, नितेश राणे ने कहा कि मुझे पता चला है कि सुशांत सिंह और दिशा सालियान मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए आदित्य ठाकरे दशहरे के बाद देश छोड़ सकते हैं। संजय राउत क्यों सोच रहे हैं कि ललित पाटिल की गिरफ्तारी (ड्रग्स मामले में) के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान मामले में हमने भी प्रमाण के साथ कई आरोप लगाए हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि आदित्य ठाकरे इतने डर गए हैं कि उन्होंने याचिका दायर किया है। नितेश राणे ने आगे कहा कि आदित्य ठाकरे का टिकट तैयार रखा गया है। जिस तरह से मामला कोर्ट में चल रहा है, ऐसे में उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिशा सालियान केस में आदित्य ठाकरे का नाम है और फिर भी कहा जा रहा है कि इसमें कुछ भी नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने आदित्य ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें दिशा सालियान मामले में गिरफ्तारी का डर है। इसके साथ ही नितेश राणे ने यह भी भविष्यवाणी की कि दशहरा सभा के बाद आदित्य ठाकरे देश छोड़ देंगे। इतना ही नहीं, नितेश राणे ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि लंदन, दक्षिण अफ्रीका जाने के लिए टिकट तैयार हैं और वे देश छोड़ सकते हैं। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन को तीन साल बीत चुके हैं, फिर भी यह मामला रहस्य बना हुआ है, जिसका कोई स्पष्ट समाधान नजर नहीं आ रहा है। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और एक वकील द्वारा उनके खिलाफ सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका में हस्तक्षेप की मांग की है। 13 अक्टूबर को, ठाकरे ने वकील राहुल अरोटे के माध्यम से एक हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें तर्क दिया गया कि विचाराधीन जनहित याचिका स्वीकार्य नहीं है। आदित्य ठाकरे ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत मामले की सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष सुना जाए।

शिवराज ने महिलाओं के लिए प्रदेश को असुरक्षित बना दिया

- कमलनाथ ने कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरा

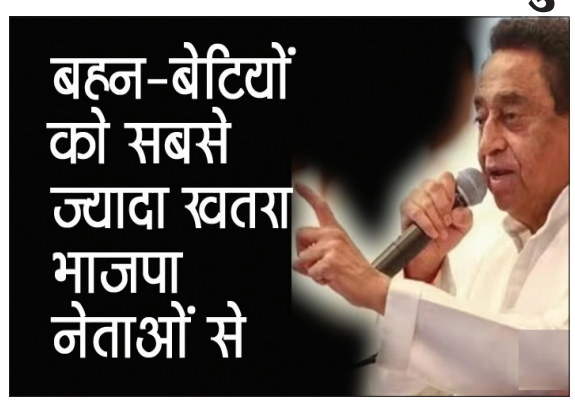

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार को घेरते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश को महिलाओं के लिए असुरक्षित प्रदेश बना दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बहन-बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी से है तो वो भाजपा के ही नेताओं से है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक बार फिर शिवराज सरकार पर हमला बोलते हुए उन्हें कानून व्यवस्था मामले में घेरने का प्रयास किया है। आज सुबह सोशल मीडिया पर उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा कि शिवराज जी ने अपने 18 साल के कार्यकाल में मध्य प्रदेश को महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित प्रदेश बना दिया है। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा है कि प्रदेश में बहन बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी से है तो भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से है। कमलनाथ ने इसे पर जोर देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की जनता ने अब इस सूरत को बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि एक महीने बाद बनने वाली कांग्रेस की सरकार पहले से घोषित योजनाओं के अलावा बेटी के जन्म से लेकर उसके विवाह तक 2 लाख 51000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। बेटियों के विवाह के लिए 1 लाख 1 हजार रुपए की सहायता देगी। महिलाओं को महानगर की बसों में मुफ्त यात्रा के पास देगी।

इस पोस्ट में और अधिक तरीके से वचन पत्र के बिंदुओं को स्पष्ट करते हुए कमलनाथ ने कहा कि महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपए और 500 रुपए में गैस सिलेंडर के अलावा यह 7 वचन कांग्रेस पार्टी देती है- बेटियों के विवाह की नई योजना प्रारंभ करेंगे, 1 लाख 1 हजार रूपए की सहायता देंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्टार्ट अप के लिए रूपए 25.00 लाख तक का ऋण 3 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराएँगे। आवासहीन ग्रामीण महिलाओं को आवास एवं आजीविका के लिए 5000 वर्गफुट का भूखण्ड देंगे। महानगरीय बस सेवा में परिवहन हेतु निःशुल्क पास उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी सहायिका एवं कार्यकर्ताओं को नियमित करने के लिए नियम बनाएंगे। आशा एवं ऊषा कार्यकर्ताओं के लिए मैदानी स्वास्थ्यकर्मियों का नया कैडर बनाकर सेवा से जोड़ेंगे। बेटियों के लिए मेरी बिटिया रानी योजना प्रारंभ करेंगे, उनको 2 लाख 51 हजार की राशि उनके जन्म से विवाह संस्कार होने तक देंगे। अंत में वो कहते हैं कि कांग्रेस आएगी, खुशहाली लाएगी। इसी के साथ कमलनाथ ने एक अन्य पोस्ट करते हुए पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद हुए जवानों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस स्मृति दिवस पर कमलनाथ ने शहीदों को याद कर दी श्रद्धांजलि

एक अन्य पोस्ट में कमलनाथ ने पुलिस स्मृति दिवसर पर शहीद हुए पुलिस कर्मियों को याद किया और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देशभक्ति और जनसेवा के मंत्र को आत्मसात कर दिन-रात जनता की सुरक्षा में लगकर कानून व्यवस्था को बनाये रखने में शहीद हुए सभी पुलिस के जांबाज जवानों को पुलिस स्मृति दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि व भाव पूर्ण नमन।

चक्रवाती तूफान तेज की रफ्तार बढ़ने से दक्षिणी तटों पर मंडराया खतरा

-निर्माण कार्यों के चलते खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हो रहे मुंबईवासी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां अरब सागर के ऊपर दबाव के चलते तूफान तेज की रफ्तार से दक्षिणी तटों पर खतरा मंडरा रहा है, वहीं मुंबईवासियों को निर्माण कार्यों के चलते खराब हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। अरब सागर में आज चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि इस साल अरब सागर में यह दूसरा चक्रवाती तूफान होगा। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के लिए अपनाए गए फॉर्मूले के अनुसार इसे तेज कहा जाएगा। आईएमडी के अनुसार, चक्रवाती तूफान के रविवार को गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने और ओमान के दक्षिणी तटों व पास के यमन की ओर बढ़ने का अनुमान है। हालाकि, मौसम विज्ञानियों ने कहा कि कभी-कभी तूफान अनुमान पथ से भटक सकते हैं, जैसा कि चक्रवात बिपरजॉय के दौरान हुआ था। बिपरजॉय जून में अरब सागर में बना था और शुरू में उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के बाद गुजरात में मांडवी और पाकिस्तान में कराची की तरफ गुजरा था। मौसम का पूर्वानुमान जताने वाली एजेंसी ने कहा कि अधिकांश मॉडल संकेत देते हैं कि तूफान यमन-ओमान तट की ओर बढ़ रहा है।

हालाकि, वैश्विक पूर्वानुमान तंत्र मॉडल इसके अरब सागर के गहरे मध्य भागों में स्थित होने का सुझाव देते हैं, जिससे यह प्रणाली पाकिस्तान और गुजरात तट की ओर जा सकती है। भारत को लेकर आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र 22 अक्टूबर के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक गहरे दबाव में बदल सकता है। चक्रवाती तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 62-88 किमी प्रति घंटे की होती है, जबकि हवा की गति 89-117 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने पर इसे गंभीर चक्रवाती तूफान कहा जाता है। अरब सागर से उठ रहे इस चक्रवाती तूफान का गुजरात पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हालांकि आईएमडी ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि दक्षिण पूर्व और दक्षिण पश्चिम अरब सागर में निम्नदबाव का क्षेत्र बना है और 21 अक्टूबर सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप लेने की आशंका है। अहमदाबाद स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, 22 अक्टूबर की शाम तक इसके भयंकर चक्रवाती तूफान का शक्ल लेने और दक्षिणी ओमान व यमन

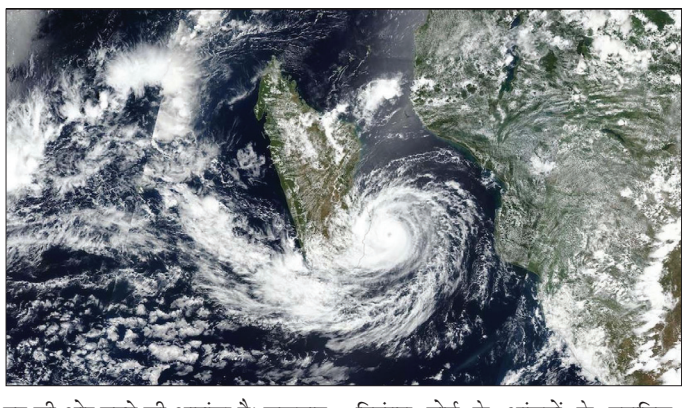

तट की ओर बढ़ने की आशंका है। चक्रवात पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा, ऐसे में उसका गुजरात पर कोई असर नहीं पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि मुंबई में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को शहर में कई स्थानों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 जो कि खराब श्रेणी से ऊपर था। अगर कहीं पर बारिश होती है तो यह स्तर और नीचे जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर कंगना ने किया तेजस का प्रचार

बॉलीवुड में पंगा गर्ल के नाम से मशहूर कंगना रणौत का नाम किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बना रहता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अभिनेत्री अक्सर अपनी राय को बड़ी ही मुखरता से सबके सामने रखती हैं। चाहे फिर वह इंडस्ट्री के किसी सितारे के बारे में हो या फिर राजनीतिक मुद्दों के बारे में और यही वजह है कि अभिनेत्री ज्यादातर विवादों में घिर जाती हैं। चंद्रमुखी 2 के साथ दर्शकों को डराने के बाद इन दिनों कंगना रणौत अपनी आगामी एक्शन फिल्म तेजस का जमकर प्रचार कर रही हैं। इसी क्रम में कंगना को हाल ही में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया और सरदार वल्लभभाई पटेल की जमकर तारीफ भी की। कंगना रणौत अपनी आगामी फिल्म तेजस का प्रचार-प्रसार जोरों-शोरों के कर रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री तेजस गिल नामक एक भारतीय वायु सेना अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। जहां कुछ दिन पहले अभिनेत्री को अहमदाबाद में एक गरबा नाइट में फिल्म का प्रचार करते हुए देखा गया था, वहीं हाल ही में उन्हें भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया के सबसे ऊंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा करते हुए स्पॉट किया गया। कंगना रणौत ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए सरदार पटेल को भारत का पहला चुना हुआ प्रधान मंत्री बताया। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कंगना ने लिखा, शिव जैसी भुजाएं सती के खंडित शरीर को थामे हुए थीं, वह भारत की अखंडता के पीछे का कारण हैं जैसा कि हम आज जानते हैं। इस गुमनाम राष्ट्रीय नायक के लिए इस तरह के एक योग्य गीत ने मुझमें और मेरी आगामी फिल्म तेजस की पूरी टीम में गर्व और राष्ट्रवाद की भावना पैदा कर दी है।

कॉफी विद करण में शामिल होंगे सनी व बॉबी देओल

कॉफी विद करण हमेशा सुर्खियों में रहता है। पिछले 7 सीजन के बाद करण ने हाल ही में 8वें सीजन का ऐलान किया था। अब पता चला है कि अभिनेता सनी देओल अपने छोटे भाई एक्टर बॉबी देओल के साथ शो में नजर आएंगे। उन्होंने इसकी शूटिंग भी कर ली है। हालांकि अभी तक किसी की भी ओर से इसकी ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सनी और बॉबी एपिसोड की शूटिंग कर चुके हैं। दोनों भाई आगामी फिल्मों से लेकर निजी जिंदगी तक हर विषय पर चर्चा करेंगे। सनी-बॉबी आखिरी बार साल 2005 में इस शो में नजर आए थे। बता दें कि शो का प्रसारण 26 अक्टूबर से ह्रञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सनी की 11 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया था। फिल्म ने देश-विदेश में जबरदस्त कमाई की। सनी ने पिछले दिनों अपनी नई फिल्म लाहौर 1947 का ऐलान किया है, जिसके निर्माता आमिर खान हैं। इसके अलावा सनी बॉर्डर 2 और अपने 2 में भी नजर आएंगे। दूसरी ओर बॉबी की अगली फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें वे नेगेटिव शेड में नजर आएंगे। दोनों भाई बॉलीवुड में काफी लंबी पारी खेल चुके हैं।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल पर फरहान अख्तर का बड़ा हिंट

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा पिछले कुछ दशकों में देखी गई सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म में कटरीना कैफ और कल्कि केकलां के साथ ऋतिक रोशन, अभय देओल और फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने पारंपरिक परिभाषाओं के दायरे से परे दोस्ती और जीवन की खोज की। फैंस, लंबे वक्त से इसके सीक्वल की मांग कर रहे हैं। वहीं, अब फरहान अख्तर ने इसके दूसरे पार्ट को लेकर बड़ा हिंट दे दिया है।

अभिनेता के पोस्ट ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है, साथ ही फैंस इसे देखकर बेहद खुश हो उठे हैं। फरहान अख्तर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में फरहान व्हाइट दाढ़ी के साथ कैमरे के सामने क्लोजअप पोज देते नजर आए हैं। पिक्चर में फरहान थोड़े उम्रदराज लग रहे हैं। वहीं, इसके साथ लिखा गया अभिनेता का कैप्शन दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। फरहान ने पोस्ट को कैप्शन लिया है, इमरान का लुक पूरी तरह सामने आता है। क्या कहती हैं जोया अख्तर? क्या बॉयज को दूसरी सड़क यात्रा पर जाना चाहिए? फरहान अख्तर का यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। फैंस समेत सितारे भी इस पर प्रतिक्रिया देने से खुद को नहीं रोक पाए। फिल्म के लीड एक्टर रहे ऋतिक रोशन ने भी इस पर कमेंट कर लिखा, चलो चलते हैं। इसके तुरंत बाद, अभय देओल ने लिखा, मैंने 2012 से बैगवती पैक कर रखा है, आप लोगों को क्या ख्याल है? इतना ही नहीं, निर्देशक और फरहान की बहन जोया ने टिप्पणी की। जोया ने लिखा, मेरी बैगवती पैक है। हालांकि, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। वहीं, फरहान अख्तर इन दिनों फिल्म जी ले जरा को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फरहान ने कटरीना कैफ, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट के साथ इस मूवी की घोषणा की थी। हालांकि, बीते दिन जानकारी आई कि मूवी को अनिश्चित काल तक के लिए टाल दिया गया है। साथ ही रिपोर्ट तो यह भी थी कि प्रियंका चोपड़ा को इसकी स्क्रिप्ट अच्छी नहीं लगी, जिसके कारण उन्होंने प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की बात करें तो यह फिल्म 12 वर्ष पहले रिलीज हुई थी, और रोड ट्रिप पर बनी इस मूवी को दर्शकों के जरिए खूब सराहा गया था। फिल्म ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है। यही कारण है कि फैंस भी कमेंट कर इसके सीक्वल की मांग कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, बिल्कुल हां, हम एक और रोड ट्रिप का इंतजार कर रहे हैं। एक अन्य लिखते हैं, सीक्वल पुराने कास्ट के ही साथ प्लीज।

जैकी श्रॉफ की बड़े परदे पर लीड रोल में वापसी

क्या साल 2014 में देश के प्रधानमंत्री बढ़ने की तरफ अग्रसर राजनीतिक शख्सियत के खिलाफ कोई अंतर्राष्ट्रीय साजिश रची गई थी? क्या इस शख्सियत को एक राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर ही समेट देने की कोई योजना बनी थी? इन सवालों और ऐसे ही तमाम और सवालों को लेकर आ रही है स्पाई थ्रिलर फिल्म टू जीरो वन फोर यानी 2014। फिल्म से करिश्माई अभिनेता जैकी श्रॉफ की लीड हीरो के तौर पर बड़े परदे पर वापसी हो रही है। जैकी का किरदार खुफिया अभियानों में अनुभवी सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना का है। जैकी के साथ फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, मुकेश ऋषि, शिशिर शर्मा और उदय टिकेकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना की इस कहानी का मुख्य आधार वे खबरें हैं, जो 2014 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले खूब चर्चा में रहीं। कैप्टन के जीवन में तब बदलाव आता है, जब उसे एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी फिरोज मसानी से पूछताछ का काम सौंपा जाता है। यह पूछताछ भारतीय और विदेशी गुप्त एजेंटों से जुड़ी एक बड़ी साजिश को उजागर करता है। जैसे ही खन्ना साजिश के इस जाल को उजागर करता है, वह खुद एक नई मुसीबत में फंस जाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर विवेक अग्निहोत्री ने जताई खुशी

वैक्सीन वॉर के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने मंगलवार (17 अक्तूबर) को दिल्ली में अपनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। 69वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह राष्ट्रीय राजधानी में हुआ। द कश्मीर फाइल्स ने राष्ट्रीय एकता श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार जीता है। समारोह समाप्त होने के बाद विवेक ने उन्हें दिए गए सम्मान के लिए सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, इस सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए धन्यवाद। द कश्मीर फाइल्स को पुरस्कार धार्मिक आतंकवाद के सभी पीड़ितों को एक श्रद्धांजलि है। विशेषकर आज के संदर्भ में यह दर्शाता है कि जब मानवता न हो तो क्या होता है। भारत के सभी नागरिकों को धन्यवाद।

कृति सेनन की राष्ट्रीय पुरस्कार जीत पर टाइगर श्रॉफ ने दी बधाई

टाइगर श्रॉफ के फैंस उनकी अपकमिंग फिल्म गणपत-ए हीरो इज बॉर्न के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से ही इसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अलावा कृति सेनन और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में हैं। हाल ही में, गणपत अभिनेत्री कृति सेनन को नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया है और इस एतिहासिक पल को सेलिब्रेट करने के लिए टाइगर ने अपनी को-स्टार कृति की जमकर तारीफ की है। गणपत की रिलीज से पहले टाइगर फिल्म का जमकर प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। हीरोपंति के बाद एक बार फिर टाइगर और कृति की जोड़ी धमाल मचाने के लिए तैयार है। फैंस भी इस जोड़ी को स्क्रीन पर एक बार फिर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच कृति को नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने कृति के लिए क्या कहा है। टाइगर ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में कहा, हीरोपंती में वह छोटी बच्ची थी, लेकिन अब वह सुपरस्टार बन गई हैं। मुझे नहीं पता कि यह डायलॉग छोटी बच्ची हो क्या क्यों वायरल हुआ, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। वह यह अवॉर्ड डिजर्व करती हैं। फिल्म में उनकी भूमिका सराहनीय है और मीमी को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया था। बता दें कि विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म गणपत 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टाइगर-3 के प्रदर्शन के बाद शुरू होगी करण जौहर की सलमान अभिनीत फिल्म

सलमान खान की टाइगर 3 का ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। फिल्म इस साल दिवाली पर आएगी। इसके अलावा सलमान के पास यशराज बैनर की पठान वर्सेस टाइगर है। कुछ दिनों पहले खबर थी कि करण जौहर के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है। अब डायरेक्टर ने इस पर कहा कि वह उम्मीद कर रहे हैं सबकुछ ठीक रहेगा और बात आगे बढ़ेगी। यह पहली बार होगा जब धर्मा प्रोडक्शन की किसी फिल्म में सलमान लीड रोल करेंगे। करण की कुछ कुछ होता है में उन्होंने कैमियो किया था। जल्द ही फिल्म की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। करण जौहर की इस फिल्म का निर्देशन विष्णु वर्धन करेंगे। पिंकविला से बात करते हुए करण ने पहली बार इस बारे में संकेत दिए। उन्होंने कहा, सलमान और उनके पूरे परिवार के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। मेरे पिता सलीम साब (सलीम खान) के बहुत करीब थे। यही वजह है कि सलमान ने मेरी फिल्म कुछ कुछ होता है के लिए हां की। यह बात मेरे दिल को छू गई। इस समय मैं बस इतना कह सकता हूं कि उम्मीद है कि इस रिलेशनशिप को पर्दे पर जगह मिल जाएगी। मैं अभी कन्फर्म नहीं कर रहा हूं, ना ही इससे इनकार कर रहा हूं क्योंकि कुछ चीजों को लेकर मै अंधविश्वासी हूं। सही समय आने पर बताऊंगा। फिल्म इस साल दिसंबर में फ्लोर पर जा सकती है। सलमान का किरदार एक सैनिक अधिकारी का होगा। यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है।

कब रिलीज होगी फिल्म

टाइगर 3 की बात करें तो फिल्म 12 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इसे मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया है और आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूसर हैं। सलमान के साथ फिल्म में कटरीना कैफ, इमरान हाशमी, रेवती और कुमद मिश्रा हैं।

टाइगर 3 से है कबीर खान का खास कनेक्शन, बोले- सलमान के चरित्र का निर्माण मैंने ही किया था

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब फिल्म एक था टाइगर के निर्देशक कबीर खान ने खुलासा किया है कि टाइगर 3 के साथ उनका एक खास कनेक्शन है। सलमान खान अपने कई वर्षों के करियर में कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, जब उन्होंने कबीर खान द्वारा निर्देशित और यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित 2012 की एक्शन-थ्रिलर फिल्म एक था टाइगर में अभिनय किया, तो उन्हें सिनेप्रेमियों से प्यार और प्रशंसा मिली। इसके बाद फिल्म का सीक्वल भी बनने लगा। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर का निर्देशन करने वाले कबीर खान ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में टाइगर 3 से अपने खास कनेक्शन का खुलासा किया है। कबीर ने कहा, हमेशा इस सीक्वल का हिस्सा बनने की भावना होती है क्योंकि मैंने एक था टाइगर (2012) के साथ टाइगर के चरित्र को बनाया था। इसलिए इस फ्रेंचाइजी के साथ एक विशेष संबंध है। कबीर ने आगे बताया, मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूं कि कहानी क्या है। मैं फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं और मेरा प्लान है कि इसे केवल बड़े पर्दे पर दर्शकों के साथ तालियां बजाते हुए देखा जाए। यशराज फिल्म्स मेरे लिए घर जैसा है और मैं पूरी टीम की सफलता की कामना करता हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोएडा में समोसा बनाते समय फटा था गैस सिलेंडर, महिला समेत दो की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सलारपुर गांव में 14 अक्टूबर को समोसा बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसमें उपचार के दौरान बीती रात को एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दो दिन पूर्व एक महिला की मौत हो चुकी है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर को सुबह के समय सलापुर गांव के भूप सिंह भड़ाना के मकान में रहने वाले रणबीर गुप्ता अपने घर पर समोसा बना रहे थे। उसी समय छोटा गैस का सिलेंडर फट गया। गैस सिलेंडर फटने की वजह से रणवीर (24 वर्ष), गुड़िया (32 वर्ष), माया (25 वर्ष), माल्ती (42 वर्ष), विजय (32 वर्ष) रणधीर (24 वर्ष) सरोज (22 वर्ष) और एक 11 वर्षीय बालक सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उन्होंने बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से घायलो को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां पर सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान बीती रात को रणधीर कुमार (34 वर्ष) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से झुलसी श्रीमती मालती देवी 42 वर्ष की 18 अक्टूबर की रात को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में दोस्तों के साथ खेल रहा किशोर छत से नीचे गिरा, मौत

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में रहने वाला एक 14 वर्षीय बच्चा दोस्तों के साथ खेलते समय छत से नीचे गिर गया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि ग्राम बरौला में पवन चौहान के मकान में किरायेदार अनिल चौधरी का पुत्र अमन (14 वर्ष) बीती रात को छत पर खेलते समय अमन ऊंचाई से नीचे गिर गया। अत्यंत गंभीर हालत में अमन को उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हायर के फेस-टू की इकाई का मैप स्वीकृत, 400 करोड़ के निवेश से 1,000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

नोएडा। कंपनी के मुताबिक दूसरे चरण की विस्तार इकाई में करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 1,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह प्लांट करीब एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्लांट में इंजेक्शन मोल्डिंग और शीट मेटल का निर्माण किया जाएगा, जो वर्तमान में कार्यरत इकाइयों में ही इस्तेमाल होगा। यह हायर अप्लायंसेज का चौथा प्लांट है। इससे पहले एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन का प्लांट शुरू किया जा चुका है। हायर कंपनी को वर्ष 2018 में 122 एकड़ का भूखंड आवंटित किया गया है। कंपनी प्रथम चरण में लगभग 1,600 करोड़ रुपये का निवेश और करीब 2,500 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान कर चुकी है। आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा है कि निवेशकों से अपील की है कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ग्रेटर नोएडा में निवेश के इच्छुक निवेशकों को दोनों संस्थानों की तरफ से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एनसीआर में ईवी, सीएनजी व बीएस-6 डीजल बसें ही चलेंगी, केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग का एलान

नई दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के शहरों में एक नवंबर से सिर्फ इलेक्ट्रिक (ईवी), सीएनजी और बीएस-6 डीजल बसों को ही संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। दिल्ली में हवा की स्वच्छता पर नजर रखने वाले केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कुशल व स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सीएक्यूएम ने इससे जुड़े राज्यों की सरकारों को सख्त कार्यान्वयन के लिए निर्देश दिए हैं।

ईवी/सीएनजी/बीएस-6 डीजल बसों के लिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के आठ एनसीआर जिलों में एक अप्रैल, 2024 से सिर्फ यही बसें संचालित होंगी

राजस्थान के गैर-एनसीआर क्षेत्रों से दिल्ली-एनसीआर के लिए एक जनवरी से नए निर्देश लागू होंगे

अन्य राज्यों से दिल्ली एनसीआर के लिए चलने वाली बसों पर भी एक जुलाई, 2024 से यही मानक लागू होंगे

पहला राज्य...दिल्ली में एप आधारित प्रीमियम बस सेवा

दिल्ली-एनसीआर में बस से सफर करने वाले यात्रियों के लिए एप आधारित प्रीमियम बस सेवा शुरू होगी। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को प्रीमियम बस एग्रीगेटर योजना को मंजूरी दे दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, इस सेवा के शुरू होने से सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ेगा। वायु प्रदूषण में कमी आएगी। पूरी तरह वातानुकूलित ये बसें वाई-फाई, जीपीएस,

सीसीटीवी की सुविधा से लैस होंगी। इनमें सफर आरामदायक होगा। उन्होंने कहा, एग्रीगेटर लाने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य है।

मध्य वर्ग के लिए योजना

मध्य व उच्च मध्य वर्ग को निजी वाहन के बजाय लग्जरी बसों में सफर करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह योजना लाई जा रही है। इसके तहत प्रीमियम बसों के एग्रीगेटर्स को लाइसेंस दिए जाएंगे। एक लाइसेंस होल्डर 25 लग्जरी बसें लेकर आएगा, जो दिल्ली की सड़कों पर चलेंगी।

एनसीआर में शामिल हरियाणा, राजस्थान और यूपी के शहरों से चरणबद्ध तरीके से हटेंगी बसें हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने चरणबद्ध तरीके से पुरानी बीएस-3 और बीएस-4 डीजल संचालित बसों को बदलने की कार्ययोजना तैयार की है। इसके अलावा, 2023-24 के दौरान नई बीएस-6 डीजल बसों की खरीद की योजना है।

हरियाणा 1,313 नई बीएस-6 डीजल बसें खरीदेगा। राजस्थान 590 बीएस-6 डीजल बसें खरीदेगा और 440 बसों की आउटसोर्सिंग सेवाएं लेगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश भी 1,650 से अधिक नई बीएस-6 डीजल बसें खरीदेगा। बैठकों में यह भी बताया गया कि एनसीआर में संबंधित ईवी नीति के अनुसार सीएनजी बसों और ईवी की खरीदी भी चल रही है।

आयोग ने राज्यों के साथ कई बैठकें कीं

आयोग ने एनसीआर में स्वच्छ बस सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना विकसित करने के लिए कई बैठकें की हैं, जिनमें पूरे एनसीआर में बस सेवाओं को दीर्घकालिक (पांच वर्षों के भीतर), मध्यम अवधि में ईवी/सीएनजी बसों के माध्यम से (तीन साल के भीतर) और अंतरिम में ईवी/सीएनजी/बीएस-6 डीजल बसों के माध्यम से लक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

बैठकों के दौरान राज्य सरकारों के पास ईवी/सीएनजी/बीएस-6 डीजल बसों की वर्तमान उपलब्धता, संबंधित राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से दिल्ली और अन्य एनसीआर क्षेत्रों के लिए विभिन्न सेवाओं को पूरा करने के लिए ऐसी बसों की कुल आवश्यकता तथा इन राज्यों द्वारा ऐसी बसों की नई खरीद की स्थिति पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

दिल्लीवासियों पर प्रदूषण की मार, खराब होने लगी वायु गुणवत्ता; आसमान में छाई धुंध

नई दिल्ली। राजधानी में हवाओं की दिशा व मौसम के बदलने के साथ वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 195 दर्ज किया गया, जोकि मध्यम श्रेणी है। वहीं, बृहस्पतिवार के मुकाबले एक दिन में 74 सूचकांक की वृद्धि हुई।

वहीं, 16 इलाकों में हवा खराब श्रेणी और 15 इलाकों में मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। इसके साथ ही एनसीआर में फरीदाबाद का सर्वाधिक सूचकांक दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक हवा की दिशा बदलने के साथ ही पराली का धुआं दिल्ली में पहुंचने लगेगा इससे प्रदूषण खराब होगा। आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया है।

16 इलाकों में खराब रही हवा

सीपीसीबी के मुताबिक, दिल्ली में 16 इलाकों में खराब हवा दर्ज की गई। जिसमें न्यू मोती बाग में सबसे अधिक एक्यूआई 274

दर्ज किया गया। वहीं, आनंद विहार में 239, बवाना में 277, बुराड़ी क्रॉसिंग में 258, द्वारका सेक्टर-8 में 246, जहांगीरपुरी में 238, मुंडका में 247, एनएसआईटी द्वारका में 210, नेहरु नगर में 218, पंजाबी बाग में 207 समेत कई इलाकों में हवा खराब रही। इसके साथ ही जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पास 169, शादीपुर में 145, मंदिर मार्ग में 170 व आईटीओ में 182 समेत 15 इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी रहा।

विदेशी महिला की हत्या के मामले में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्कूल के पास मृत मिली महिला के मामले में शनिवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गुरप्रीत के रूप में हुई है। आरोपी को तकनीकी जांच के आधार पर मिली जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उससे मृत महिला की पहचान और हत्या के कारणों के बारे में पूछताछ कर रही है। महिला स्विट्जरलैंड की नागरिक है 11 अक्तूबर को दिल्ली आई थी, पुलिस सूत्रों के मुताबिक गुरप्रीत की मृत महिला से स्विट्जरलैंड में हुई थी मुलाकात, जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई।

मृत महिला के हाथ-पैर चेन से बंधे हुए थे और चेन में ताला लगा हुआ था। 30 वर्षीय महिला का शव शुक्रवार सुबह तिलक नगर में बरामद किया गया था।

शव का ऊपरी हिस्सा काले रंग की प्लास्टिक से ढका हुआ था। दिल्ली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी।सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस को पता चला कि महिला का शव एक कार में वहां लाया गया था। कार नंबर की जांच कर पुलिस उसकी मालकिन के पास पहुंची, उससे पूछताछ करने पर पता चला कि दो महीने पहले कार किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी थी।

दिल्ली में पटाखे से 11 साल के बच्चे की आंख में लगी चोट

नई दिल्ली। दिल्ली इलाके में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किए गए पटाखे के विस्फोट के कारण 11 वर्षीय लड़के की आंख में गंभीर चोट लग गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री और फोड़ने पर प्रतिबंध है। पुलिस के अनुसार, पूर्वोत्तर दिल्ली के शास्त्री पार्क निवासी एक लड़के को पटाखे से चोट लगने के संबंध में एम्स अस्पताल से एक सूचना और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) प्राप्त हुई थी। शुरुआती जांच में पता चला कि 15 अक्टूबर को रात करीब 8 बजे जब लड़का मेन रोड शास्त्री पार्क के पास अपने घर जा रहा था, तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने सड़क पर पटाखा फोड़ दिया।

पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर)

जॉय टिर्की ने कहा, 'लड़के की दाहिनी आंख में चोट लगी है। इस संबंध में विस्फोटक पदार्थों के संबंध में लापरवाही बरतने और जीवन को खतरे में डालने वाले कृत्य से चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है।' डीसीपी ने कहा, 'लड़के को इलाज के बाद 17 अक्टूबर को छुट्टी दे दी गई।

उसके पिता का तीस हजारी कोर्ट के पास ट्रांसपोर्ट का कारोबार है।÷डीसीपी ने कहा, ÷अपराधी की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इलाके में सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया जा रहा है।'

पिंकी ईरानी को मिली जमानत, HC ने कहा- आपराधिक इतिहास के बारे में रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर की करीबी सहयोगी पिंकी ईरानी को दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत दे दी। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा कि ईरानी के आपराधिक इतिहास के बारे में रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं है। अदालत ने नोट किया कि 52 वर्षीय ईरानी नवंबर 2022 से न्यायिक हिरासत में हैं। पीठ ने कहा कि यह अदालत मानती है कि मकोका की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मुकदमे के दौरान आरोपों का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। यह भी जांच का विषय है कि क्या ईरानी द्वारा प्राप्त धन अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए था। अदालत ने निर्देश दिया कि ईरानी किसी भी परिस्थिति में संबंधित अदालत की पूर्व अनुमति के बिना भारत नहीं छोड़ेंगी। पांच लाख रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के दो जमानती पर जमानत देते हुए अदालत ने निर्देश दिया कि ईरानी मामले से परिचित किसी भी व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई प्रलोभन, धमकी देने की कोशिश नहीं करेंगी।

गाजियाबाद में बैंक में लगी आग, फायर बिग्रेड की चार गाड़ियों ने पाया काबू

गाजियाबाद। गाजियाबाद में थर्ड फ्लोर पर स्थित एक बैंक में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आगजनी में फिलहाल कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कई महत्वपूर्ण कागज जलकर राख हो गए हैं।

गाजियाबाद के कवि नगर थाना क्षेत्र के राजनगर आरडीसी में स्थिति एक्रीटॉस स्मॉल फाइनेंस बैंक में आज सुबह आग लग गई। आग लगने से चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल बन गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस पूरे मामले में कोई जनहानि नहीं हुई है। लेकिन बैंक के जरूरी

दस्तावेज जलने की सूचना है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सीएफओ गाजियाबाद राहुल पॉल ने बताया है की जनपद ग़ाज़ियाबाद के फ़ायर स्टेशन कोतवाली में शनिवार सुबह 9:21 बजे एक्रीटास स्मॉल फाइनेंस बैंक परम प्लाजा सी-18 आरडीसी में आग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी समेत 4 फायर टैंकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग की लपटे, काला धुआं बहुत तेज था।

आग भवन के तीसरे तल पर थी। धुआं बहुत ज्यादा होने के कारण फायर यूनिट को फायर फाइटिंग करने में बहुत ज्यादा परेशानी हो रही थी। फायर यूनिट ने बीए सेट पहनकर फ़ायर फ़ाइटिंग करना शुरू कर दिया तथा फायर लेडर्स लगाकर बाहर से शीशे तोड़कर धुआं निकासी की गई और आग को पूर्णरूप से शांत किया।

दिल्ली में एक टन से ज्यादा अवैध पटाखे जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में दो आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ, दिल्ली पुलिस ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैन पटाखों का कारोबार करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और 1104 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद करने का दावा किया। आरोपियों की पहचान रोशनआरा रोड निवासी सौरभ (25) और गोपालपुर निवासी रामप्रकाश (35) के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक, उन्हें दिल्ली के बुराड़ी के जगतपुर गांव स्थित एक गोदाम में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे रखे जाने की विशेष जानकारी मिली थी।

इस खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई, जिसमें रामप्रकाश नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा गया। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा, गोदाम का निरीक्षण करने पर, पटाखों के

कुल 53 कार्टन जब्त किए गए, जिनका वजन लगभग 1000 किलोग्राम था।

पूछताछ के दौरान, रामप्रकाश ने पटाखों की बिक्री और भंडारण के अवैध कारोबार में शामिल होने की बात कबूल की। यादव ने कहा, आरोपी ने बताया कि उसने परवेज, जय रावल और मनोज जैन नाम के व्यक्तियों से अवैध पटाखे खरीदे थे। अधिकारी ने कहा, इन लोगों को पकड़ने के लिए फिलहाल छापेमारी चल रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। एक अलग ऑपरेशन में, एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने एक कार को रोका और सौरभ नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा। कार की तलाशी लेने पर उन्हें 104 किलोग्राम अवैध पटाखे मिले। उन्होंने आगे कहा, सौरभ ने स्वीकार किया कि उसने जल्दी ही लाभ कमाने के इरादे से हरियाणा के फारुख नगर के खुले बाजार से अवैध पटाखे खरीदे थे। जब पुलिस टीम ने उसे दिल्ली के क्राउन प्लाजा में रोका तो उसने अपनी अर्टिगा कार में 104 किलोग्राम पटाखे लाद लिए थे।

दानिश अली ने संसदीय प्रक्रियाओं के उल्लंघन को लेकर बिरला को लिखा पत्र

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (सपा) नेता दानिश अली ने शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रमेश बिधूड़ी की उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी और तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर लगे आरोप के मामलों में अलग-अलग मापदंड अपनाए गए हैं जो संसदीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन है।

अमरोहा के सांसद श्री अली ने आज श्री बिरला को एक पत्र लिखकर संसदीय परंपराओं के उल्लंघन का मामला उठाते हुए अपने विशेषाधिकारों की सुरक्षा के लिए आग्रह किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि आचार समिति के प्रमुख विनोद कुमार सोनकर ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में सार्वजनिक रूप से बयान देकर नियम 275 का उल्लंघन किया है।

श्री अली ने पत्र में कहा, ''पूरे सम्मान के साथ मैं आपका ध्यान विशेषाधिकार हनन और नैतिक कदाचार से संबंधित मामलों में संसदीय प्रक्रियाओं के घोर

उल्लंघन की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आप इस तथ्य से अवगत होंगे कि मैंने 22 सितंबर को विशेषाधिकार हनन का एक नोटिस दिया था, जिसमें सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा मेरे खिलाफ अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया था।''

इसमें कहा गया है, ''स्थापित प्रक्रिया के अनुसार शिकायतकर्ता सदस्य को सबसे पहले विशेषाधिकार समिति के समक्ष बुलाया जाता है और उसके बाद ही आरोपी व्यक्ति को साक्ष्य के लिए बुलाया जाता है। हालांकि, सभी निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करते हुए, जिस सदस्य पर मेरे खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है, उसे बुलाया गया प्रतीत होता है और यह इस तथ्य से साबित होता है कि मुझे अब तक समिति में अपना पक्ष रखने के लिए नहीं बुलाया गया है। दूसरी ओर ऐसा दिखाई देता कि आचार समिति ने महुआ मोइत्रा के मामले में उचित प्रक्रिया का पालन किया है।'' उन्होंने कहा कि महुआ मोइत्रा से संबंधित मामले में भी मीडिया से यह जानना बहुत दुखद है कि समिति के अध्यक्ष ने खुले तौर पर मीडिया से बात करते हुए कहा है कि उन्हें तृणमूल की सांसद के खिलाफ कथित नैतिक कदाचार की शिकायत के संबंध में एक हलफनामा मिला है।

श्री अली ने दावा किया, '' मैं इसे किसी और के द्वारा नहीं, बल्कि आचार समिति के प्रमुख द्वारा नियम 275 के उल्लंघन के रूप में देखता हूं।''

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छत्तीसगढ़ सरकार के नोटिफिकेशन को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के डबल बेंच के समक्ष चुनौती दी गई

आईटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के द्वारा मांगी गई थी सुचना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आईटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के इस नोटिफिकेशन को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के डबल बेंच के समक्ष चुनौती दी गई. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के द्वारा इस याचिका को स्वीकार कर राज्य सरकार से जवाब की मांग की गई. जवाब आने के पश्चात उभय पक्ष के द्वारा प्रकरण में बहस के समय याचिका करता ने उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस वाले अगुवाई के बेंच को बताया कि उसने छत्तीसगढ़ सरकार के नोटिफिकेशन को चैलेंज किया है, इस कारण यह डबल बेंच में प्रस्तुत किया गया है. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस के द्वारा इस तथ्य को अस्वीकार करते हुए याचिका निरस्त कर दी गई और याचिका करता राजकुमार मिश्रा के ऊपर यह टिप्पणी की गई की याचिका करता जनहित याचिकाओं के मामले में नए व्यक्ति नहीं है उन्हें जनहित याचिकाओं के संबंध में अच्छी जानकारी है इस कारण यह याचिका निरस्त की जाती है.

आईटीआई कार्यकर्ता श्री राजकुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के इस आदेश से दुखी होकर उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में इस आदेश को चुनौती दी. सर्वोच्च न्यायालय में लंबी सुनवाई के पश्चात आदेश किया गया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय इस याचिका को पुन: सुने.

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पश्चात छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 12 सितंबर 2023 को इस प्रकरण की सुनवाई हुई जिसमें याचिका करता अपने पक्ष की पैरवी स्वयं करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जस्टिस संजय के अग्रवाल के अगुवाई वाले डबल बेंच में उपस्थित हुए. राजकुमार मिश्रा ने न्यायालय को बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 24(4) का मानना है कि देश का कोई भी संस्था भ्रष्टाचार और मानव अधिकारों के हनन से संबंधित सूचना देने से इनकार नहीं कर सकती उसके विपरीत राज्य सरकार के द्वारा 1 अगस्त 2013 को सूचना का अधिकार से एंटी करप्शन ब्यूरो को मुक्तकर दिया है जो की विधि विरुद्ध है. याचिका करता के द्वारा अपने तर्क में न्यायालय को बताया गया कि छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो सभी भ्रष्टाचार के मामलों की जांच ही करती है, इसके अलावा और दूसरे किसी भी तरह के अपराध की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा नहीं की जाती. इस प्रकरण को विस्तृत रूप से न्यायालय ने सुना राज्य सरकार इस प्रकरण का विरोध करती रही. राज्य सरकार का मानना है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी किया गया नोटिफिकेशन सही है.

सुचना में क्या जानकारी मांगी गई थी

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 व दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 के तहत अभियोजन की स्वीकृति के लिए लंबित है इन प्रकरणों में औपचारिक अधिकारियों कर्मचारियों का नाम, पदनाम, अपराध की धाराएं, अपराध का प्रकार की जानकारी यदि इस संस्था को उक्त अधिनियम से छूट प्राप्त है तो वह अधिसूचना निर्देश नियम के दस्तावेजों की प्रति की मांग की गई थी.

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के डबल बेंच के द्वारा दिनांक 12 सितंबर 2023 को ऑर्डर को रिजर्व कर लिया 2023 को जारी किया गया है.

(8) (Anne-P/2)

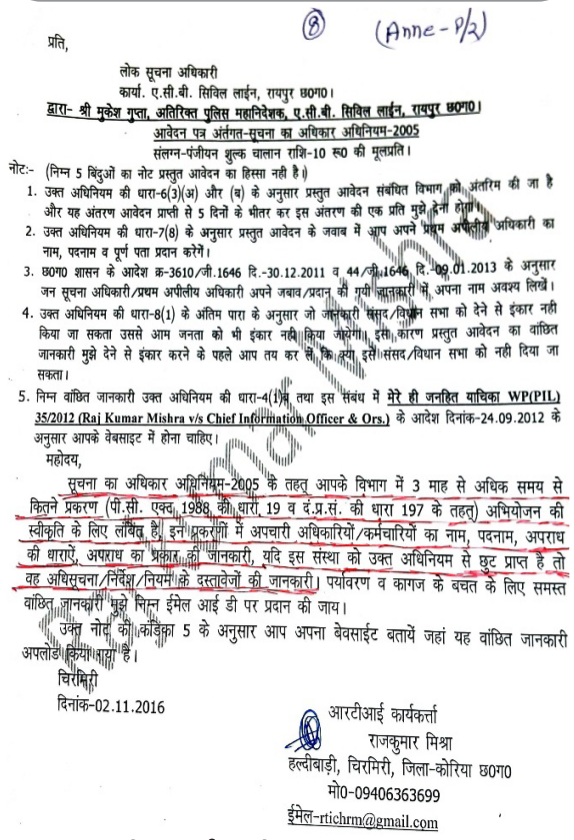

प्रति,

लोक सूचना अधिकारी
कार्या. ए.सी.बी. सिविल लाईन, रायपुर छ0ग0।
द्वारा- श्री मुकेश गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, ए.सी.बी. सिविल लाईन, रायपुर छ0ग0।
आवेदन पत्र अंतर्गत-सूचना का अधिकार अधिनियम-2005
संलग्न-पंजीयन शुल्क चालान राशि-10 रू0 की मूलप्रति।

नोटः- (निम्न 5 बिंदुओं का नोट प्रस्तुत आवेदन का हिस्सा नही है।)
1. उक्त अधिनियम की धारा-6(3)(अ) और (ब) के अनुसार प्रस्तुत आवेदन संबंधित विभाग को अंतरिम की जा है और यह अंतरण आवेदन प्राप्ती से 5 दिनों के भीतर कर इस अंतरण की एक प्रति मुझे देना होगा।
2. उक्त अधिनियम की धारा-7(8) के अनुसार प्रस्तुत आवेदन के जवाब में आप अपने प्रथम अपीलीय अधिकारी का नाम, पदनाम व पूर्ण पता प्रदान करेंगें।
3. छ0ग0 शासन के आदेश क्र-3610/जी.1646 दि.-30.12.2011 व 44/जी.1646 दि.-09.01.2013 के अनुसार जन सूचना अधिकारी/प्रथम अपीलीय अधिकारी अपने जवाब/प्रदान की गयी जानकारी में अपना नाम अवश्य लिखें।
4. उक्त अधिनियम की धारा-8(1) के अंतिम पारा के अनुसार जो जानकारी संसद/विधान सभा को देने से इंकार नही किया जा सकता उससे आम जनता को भी इंकार नही किया जायेगा। इस कारण प्रस्तुत आवेदन का वांछित जानकारी मुझे देने से इंकार करने के पहले आप तय कर लें कि क्या इसे संसद/विधान सभा को नही दिया जा सकता।
5. निम्न वांछित जानकारी उक्त अधिनियम की धारा-4(1)ब तथा इस संबंध में मेरे ही जनहित याचिका WP(PIL) 35/2012 (Raj Kumar Mishra v/s Chief Information Officer & Ors.) के आदेश दिनांक-24.09.2012 के अनुसार आपके वेबसाइट में होना चाहिए।

महोदय,

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत् आपके विभाग में 3 माह से अधिक समय से कितने प्रकरण (पी.सी. एक्ट 1988 की धारा 19 व दं.प्र.सं. की धारा 197 के तहत्) अभियोजन की स्वीकृति के लिए लंबित है, इन प्रकरणों में अपचारी अधिकारियों/कर्मचारियों का नाम, पदनाम, अपराध की धाराऐं, अपराध का प्रकार की जानकारी, यदि इस संस्था को उक्त अधिनियम से छुट प्राप्त है तो वह अधिसूचना/निर्देश/नियम के दस्तावेजों की जानकारी। पर्यावरण व कागज के बचत के लिए समस्त वांछित जानकारी मुझे निम्न ईमेल आई डी पर प्रदान की जाय।

उक्त नोट की कंडिका 5 के अनुसार आप अपना बेवसाईट बतायें जहां यह वांछित जानकारी अपलोड किया गया है।

चिरमिरी
दिनांक-02.11.2016

आरटीआई कार्यकर्त्ता
राजकुमार मिश्रा
हल्दीबाड़ी, चिरमिरी, जिला-कोरिया छ0ग0
मो0-09406363699
ईमेल-rtichrm@gmail.com

छत्तीसगढ़ सरकार के एंटी करप्शन ब्यूरो बहुत से बड़े अधिकारी और राजनेताओं के अपराधों को पब्लिक की नजर में लाने से बचाती है

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा इस याचिका में 25 से ज्यादा न्याय दृष्टांतों का उल्लेख किया गया है छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का यह आदेश 35 पेज में है. इस याचिका के आदेश में भ्रष्टाचार की विस्तृत परिभाषा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा बताई गई है और अपने आदेश के निष्कर्ष में स्वीकार किया गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी किया गया नोटिफिकेशन दिनांक १ अगस्त 2013 त्रुटिपूर्ण है इसे राज्य सरकार आदेश दिनांक से 3 हफ्ते के भीतर सुधार करें और आईटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत किए गए सूचना के अधिकार के आवेदन के निराकरण एंटी करप्शन ब्यूरो इस आदेश से चार हफ्ता के भीतर करें अर्थात आवेदक को जानकारी प्रदान करें. माना जा रहा है कि यह आदेश छत्तीसगढ़ सरकार के नाक में दम करेगा. यह आदेश नजीर बनेगा और इसका उल्लेख दूसरे राज्यों में भी किया जाएगा ऐसा माना जाता है कि छत्तीसगढ़ सरकार के एंटी करप्शन ब्यूरो बहुत से बड़े अधिकारी और राजनेताओं के अपराधों को पब्लिक की नजर में लाने से बचाती है इस आदेश के बाद देखते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार क्या सुप्रीम कोर्ट जाती है इस आदेश को चुनौती देते हुए अथवा छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के आदेश का पालन करती है.

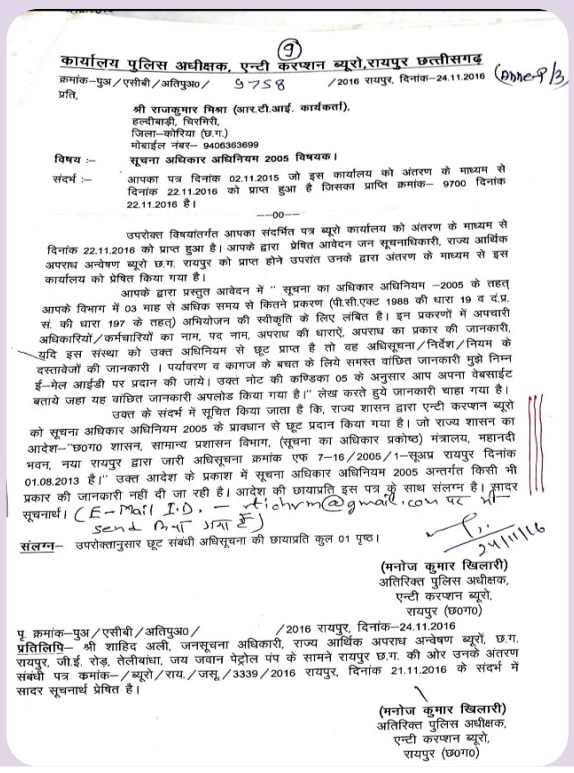

(9) (Anne-P/3)

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, एन्टी करप्शन ब्यूरो,रायपुर छत्तीसगढ़
क्रमांक-पुअ/एसीबी/अतिपुअ0/ 9758 /2016 रायपुर, दिनांक-24.11.2016
प्रति,
श्री राजकुमार मिश्रा (आर.टी.आई. कार्यकर्ता),
हल्दीबाड़ी, चिरमिरी,
जिला-कोरिया (छ.ग.)
मोबाईल नंबर- 9406363699

विषय :- सूचना अधिकार अधिनियम 2005 विषयक।
संदर्भ :- आपका पत्र दिनांक 02.11.2015 जो इस कार्यालय को अंतरण के माध्यम से दिनांक 22.11.2016 को प्राप्त हुआ है जिसका प्राप्ति क्रमांक- 9700 दिनांक 22.11.2016 है।

--00--

उपरोक्त विषयांतर्गत आपका संदर्भित पत्र ब्यूरो कार्यालय को अंतरण के माध्यम से दिनांक 22.11.2016 को प्राप्त हुआ है। आपके द्वारा प्रेषित आवेदन जन सूचनाधिकारी, राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो छ.ग. रायपुर को प्राप्त होने उपरांत उनके द्वारा अंतरण के माध्यम से इस कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

आपके द्वारा प्रस्तुत आवेदन में " सूचना का अधिकार अधिनियम -2005 के तहत् आपके विभाग में 03 माह से अधिक समय से कितने प्रकरण (पी.सी.एक्ट 1988 की धारा 19 व दं.प्र. सं. की धारा 197 के तहत्) अभियोजन की स्वीकृति के लिए लंबित है। इन प्रकरणों में अपचारी अधिकारियों/कर्मचारियों का नाम, पद नाम, अपराध की धाराऐं, अपराध का प्रकार की जानकारी, यदि इस संस्था को उक्त अधिनियम से छूट प्राप्त है तो वह अधिसूचना/निर्देश/नियम के दस्तावेजों की जानकारी । पर्यावरण व कागज के बचत के लिये समस्त वांछित जानकारी मुझे निम्न ई-मेल आईडी पर प्रदान की जाये। उक्त नोट की कण्डिका 05 के अनुसार आप अपना वेबसाईट बताये जहा यह वांछित जानकारी अपलोड किया गया है।" लेख करते हुये जानकारी चाहा गया है।

उक्त के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि, राज्य शासन द्वारा एन्टी करप्शन ब्यूरो को सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान से छूट प्रदान किया गया है। जो राज्य शासन का आदेश-"छ0ग0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, (सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ) मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक एफ 7-16/2005/1-सूअप्र रायपुर दिनांक 01.08.2013 है।" उक्त आदेश के प्रकाश में सूचना अधिकार अधिनियम 2005 अन्तर्गत किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी जा रही है। आदेश की छायाप्रति इस पत्र के साथ संलग्न है। सादर सूचनार्थ। (E-Mail I.D. - rtichrm@gmail.com पर भी send किया गया है)

संलग्न- उपरोक्तानुसार छूट संबंधी अधिसूचना की छायाप्रति कुल 01 पृष्ठ।

24/11/16
(मनोज कुमार खिलारी)
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
एन्टी करप्शन ब्यूरो,
रायपुर (छ0ग0)

पृ. क्रमांक-पुअ/एसीबी/अतिपुअ0/ /2016 रायपुर, दिनांक-24.11.2016
प्रतिलिपि- श्री शाहिद अली, जनसूचना अधिकारी, राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरों, छ.ग. रायपुर, जी.ई. रोड़, तेलीबांधा, जय जवान पेट्रोल पंप के सामने रायपुर छ.ग. की ओर उनके अंतरण संबंधी पत्र क्रमांक-/ब्यूरो/राय./जसू./3339/2016 रायपुर, दिनांक 21.11.2016 के संदर्भ में सादर सूचनार्थ प्रेषित है।

(मनोज कुमार खिलारी)
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
एन्टी करप्शन ब्यूरो,
रायपुर (छ0ग0)

आवेदक को जानकारी प्रदान नहीं किया गया साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग नोटिफिकेशन की प्रति संलग्न कर प्रेषित किया

आईटीआई कार्यकर्ता के इस आवेदन पर एंटी करप्शन ब्यूरो छत्तीसगढ़ के पुलिस अधीक्षक शाखा द्वारा यह लेख किया गया कि राज्य शासन द्वारा एंटी करप्शन ब्यूरो को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान से छूट प्रदान किया गया है, जो राज्य शासन का आदेश छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक

(7) नोट पर उपलब्ध (Anne-P/1)

सूचना का अधिकार

छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
(सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ)
मंत्रालय
महानदी भवन, रायपुर
--00--
//अधिसूचना//

रायपुर, दिनांक 01 अगस्त, 2013

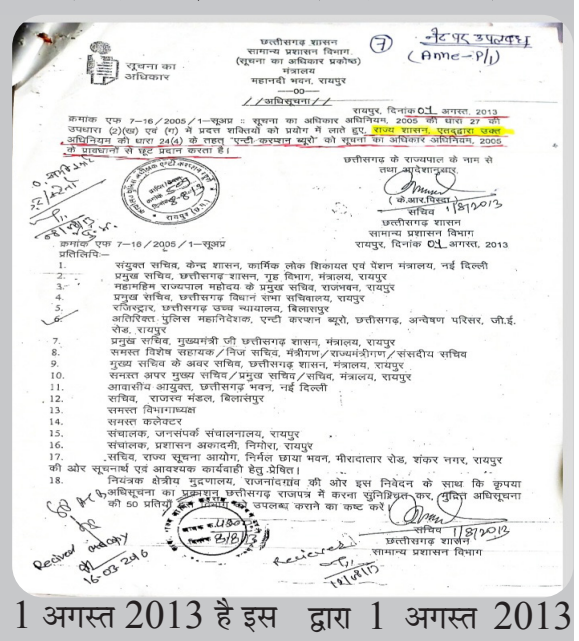

क्रमांक एफ 7-16/2005/1-सूअप्र :: सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 27 की उपधारा (2)(ख) एवं (ग) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 24(4) के तहत् "एन्टी करप्शन ब्यूरो" को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों से छूट प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,
(के.आर.पिस्दा) 1/8/2013
सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

क्रमांक एफ 7-16/2005/1-सूअप्र रायपुर, दिनांक 01 अगस्त, 2013
प्रतिलिपिः-
1. संयुक्त सचिव, केन्द्र शासन, कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, नई दिल्ली
2. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, गृह विभाग, मंत्रालय, रायपुर
3. महामहिम राज्यपाल महोदय के प्रमुख सचिव, राजभवन, रायपुर
4. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय, रायपुर
5. रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर
6. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, एन्टी करप्शन ब्यूरो, छत्तीसगढ़, अन्वेषण परिसर, जी.ई. रोड, रायपुर
7. प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, रायपुर
8. समस्त विशेष सहायक/निज सचिव, मंत्रीगण/राज्यमंत्रीगण/संसदीय सचिव
9. मुख्य सचिव के अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, रायपुर
10. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, मंत्रालय, रायपुर
11. आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन, नई दिल्ली
12. सचिव, राजस्व मंडल, बिलासपुर
13. समस्त विभागाध्यक्ष
14. समस्त कलेक्टर
15. संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर
16. संचालक, प्रशासन अकादमी, निमोरा, रायपुर
17. सचिव, राज्य सूचना आयोग, निर्मल छाया भवन, मीरादातार रोड, शंकर नगर, रायपुर

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
18. नियंत्रक क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव की ओर इस निवेदन के साथ कि कृपया अधिसूचना का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में करना सुनिश्चित कर, मुद्रित अधिसूचना की 50 प्रतियां इस विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

सचिव 1/8/2013
छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

Recived one copy 16-03-2016

1 अगस्त 2013 है इस आलोक में आवेदक को जानकारी प्रदान नहीं किया गया साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 1 अगस्त 2013 को जारी किया गया नोटिफिकेशन की प्रति संलग्न कर प्रेषित किया गया.

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पश्चात छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 12 सितंबर 2023 को इस प्रकरण की सुनवाई हुई

छत्तीसगढ़, चिरमिरी निवासी आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के रिट याचिका पर छत्तीसगढ़ सरकार का सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 2(4) पर 1 अगस्त 2013 को जारी किया गया नोटिफिकेशन छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा संशोधन कर सरकार को ठीक ढंग से नोटिफिकेशन जारी करने का आदेश किया गया है माना जाता है की सूचना के अधिकार पर यह एक महत्वपूर्ण फैसला है जिसमें छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 25 न्यायदृष्टांत का उल्लेख किया है.

आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के द्वारा 2 नवंबर 2016 को सूचना का अधिकार पर एक आवेदन प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ के एंटी करप्शन ब्यूरो से जानकारी मांगा गया था कि आपके विभाग में ३ माह से अधिक समय से कितने प्रकरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 व दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 के तहत अभियोजन की स्वीकृति के लिए लंबित है इन प्रकरणों में औपचारिक अधिकारियों कर्मचारियों का नाम, पदनाम, अपराध की धाराएं, अपराध का प्रकार की जानकारी यदि इस संस्था को उक्त अधिनियम से छूट प्राप्त है तो वह अधिसूचना निर्देश नियम के दस्तावेजों की प्रति की मांग की गई थी.

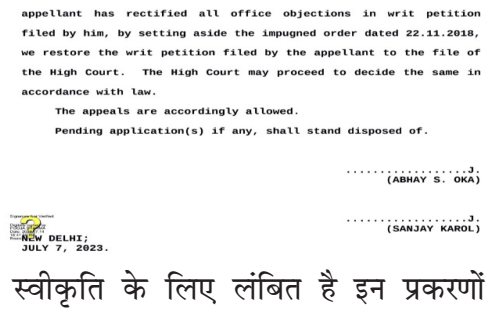

IN THE SUPREME COURT OF INDIA
CIVIL APPELLATE JURISDICTION

CIVIL APPEAL NO. OF 2023
(Special Leave to Appeal (C) No(s).3576-3577/2023)

RAJKUMAR MISHRA — APPELLANT

VERSUS

SUPERINTENDENT OF POLICE ANTI CORRUPTION BUREAU (ACB) & ANR. — RESPONDENT

O R D E R

Leave granted.

Heard the appellant appearing in person and the learned counsel appearing for respondent.

In view of the statement recorded in earlier order that the appellant has rectified all office objections in writ petition filed by him, by setting aside the impugned order dated 22.11.2018, we restore the writ petition filed by the appellant to the file of the High Court. The High Court may proceed to decide the same in accordance with law.

The appeals are accordingly allowed.

Pending application(s) if any, shall stand disposed of.

....................J.
(ABHAY S. OKA)

....................J.
(SANJAY KAROL)

NEW DELHI;
JULY 7, 2023.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे